RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार , 24 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 96 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश में नक्सलवाद आखिरी सांसें गिन रहा: प्रधानमंत्री मोदी

जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था, वहां आज विकास का आत्मविश्वास दिखाई देता है: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/रायपुर/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां कभी आतंक और हिंसा का माहौल था, वहां आज युवाओं की ऊर्जा खेल और प्रतिभा के माध्यम से सामने आ रही है। बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों युवाओं की भागीदारी इस परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। यह दशार्ता है कि अब वहां के युवा हिंसा के रास्ते को नहीं, बल्कि अवसर, शिक्षा, खेल और विकास के मार्ग को अपना रहे हैं। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने आज अपने बयान में दी। प्रधानमंत्री मोदी ने नक्सलवाद के खिलाफ देश की लड़ाई को विकास और जनविश्वास की विजय बताते हुए कहा है कि सरकार ने नक्सलवाद और माओवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया था और आज उसके सकारात्मक परिणाम पूरे देश के सामने हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी भय, हिंसा और अविश्वास का वातावरण था, वहां आज विकास, सुशासन और नई संभावनाओं का युग प्रारंभ हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समय नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सामान्य नागरिक निरंतर भय के साये में जीवन जीने को मजबूर थे। लोगों को अपनी सुरक्षा, आजीविका और सम्मान की चिंता रहती थी। विकास कार्यों को आगे बढ़ाना अत्यंत कठिन था। सड़क निर्माण से लेकर संचार सुविधाओं के विस्तार तक हर प्रयास का हिंसक विरोध किया जाता था। कई बार निर्माण सामग्री को जला दिया जाता था। ठेकेदारों को धमकाकर भगा दिया जाता था और विकास कार्यों को रोकने की कोशिश की जाती थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। बीते वर्षों में हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया, हजारों मोबाइल टावर स्थापित किए गए।

लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया: पीएम

पीएम मोदी ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं, डाक सेवाओं और वित्तीय समावेशन के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में विश्वास और अवसरों का विस्तार है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल बम, बंदूक और गोली के सहारे नहीं लड़ी गई। सरकार ने सुरक्षा के साथ-साथ जनसामान्य की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने पर भी समान रूप से ध्यान दिया। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, गरीबों को अधिकार दिलाने और लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी का परिणाम है कि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आमजन का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास की प्रक्रिया में बढ़ा है।

आमजन का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ा है: साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेशन फर्स्ट संकल्प, दूरदर्शी नेतृत्व और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस ने बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां कभी नक्सलवाद का आतंक था, वहां आज विकास का आत्मविश्वास दिखाई देता है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, बैंकिंग और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच ने लोगों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन लाया है। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, गरीबों को अधिकार दिलाने और लोकतंत्र के प्रति विश्वास मजबूत करने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी का परिणाम है कि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आमजन का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास की प्रक्रिया में बढ़ा है।

आज जो संविधान हाथ में हिलाते हैं; नक्सली हिंसा के चरम पर उनके हाथ कांपते थे: पीएम

भारत में नक्सलवाद (माओवादी आंदोलन) की शुरूआत 1967 में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गांव से हुई थी। इसी वजह से इसे नक्सलवाद कहा गया। समय के साथ यह आंदोलन कई राज्यों में फैला और 2000 के दशक में देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में से एक बन गया। 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ नक्सल आंदोलन 2000 के दशक में "रेड कॉरिडोर" के रूप में 10 से ज्यादा राज्यों में फैला, लेकिन सुरक्षा अभियानों और विकास योजनाओं के बाद अब इसका दायरा काफी सिमट चुका है। इसी साल 30 मार्च को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा था कि भारत नक्सल-मुक्त हो गया है, ऐसा हम कह सकते हैं। अपनी डेढ़ घंटे स्पीच के दौरान शाह ने कहा था- हमने 31 मार्च तक देश को नक्सल-मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा था। मैं पूरी व्यवस्था होने के बाद देश को भी सूचित करूंगा। शाह ने कहा- जो लोग पूरी व्यवस्था को नकार कर हथियार उठा लेते हैं, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

पिछड़े क्षेत्रों को बनाया 'आकांक्षी जिला': प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि 2013-14 में 2 लाख रुपए से अधिक आय पर टैक्स लगता था, जबकि अब 12 लाख रुपए सालाना तक की आय को कर से छूट दी गई है।

जीएसटी सुधारों से टैक्स प्रक्रिया आसान हुई है और लोग घर बैठे आयकर रिटर्न भर सकते हैं। वहीं, जन औषधि केंद्रों के जरिए सस्ती दवाएं मिलने से लोगों की करीब 40 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई है।

मेट्रो, ट्रेन और एयरपोर्ट का तेजी से विस्तार: 2014 में रोजाना करीब 28 लाख लोग मेट्रो से सफर करते थे, जबकि अब यह संख्या 1.28 करोड़ तक पहुंच गई है। वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश में एयरपोर्ट की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पिछड़े क्षेत्रों को बनाया 'आकांक्षी जिला': 100 से ज्यादा जिलों और 500 से अधिक ब्लॉकों को पिछड़े क्षेत्र मानकर छोड़ दिया गया था।

राम मंदिर: एसआईटी ने शासन को सौंपी रिपोर्ट, चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशन के सबूत

लखनऊ/एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एसआईटी ने मंगलवार सुबह अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी है। रिपोर्ट में चढ़ावा चोरी से लेकर कमीशनखोरी के खेल के सुबूत हैं। मंदिर में कर्मचारियों की नियुक्ति, गणना प्रक्रिया में भी बड़े हेरफेर की आशंका एसआईटी ने जताई है। उससे संबंधित तमाम साक्ष्य जुटाए हैं। गवाहों का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है। एसआईटी में शामिल लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, लखनऊ आईजी रेंज किरन एस और विशेष सचिव वित्त नील रतन सुबह करीब 11 बजे शासन पहुंचे। तीनों अधिकारियों ने गोपनीय जांच रिपोर्ट संजय प्रसाद को दी। अब ये रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में ट्रस्ट के पदाधिकारियों पर सबसे बड़ा सवाल उठाया गया है। कुछ की भूमिका भी उजागर की गई है। अंदेशा जताया गया है कि वह हेरफेर में शामिल रहे हैं। वहीं कुछ पदाधिकारियों को लापरवाही का दोषी पाया गया। जिनकी निगरानी में चढ़ावा चोरी हुआ। फिलहाल मामले में सबसे अधिक जो पदाधिकारी सवालों के घेरे में हैं, उनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा व निर्माण सहायक गोपाल राव का नाम शामिल है।

इसके अलावा इन पदाधिकारियों के रिश्तेदार व करीबियों का भी जांच रिपोर्ट में जिक्र है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

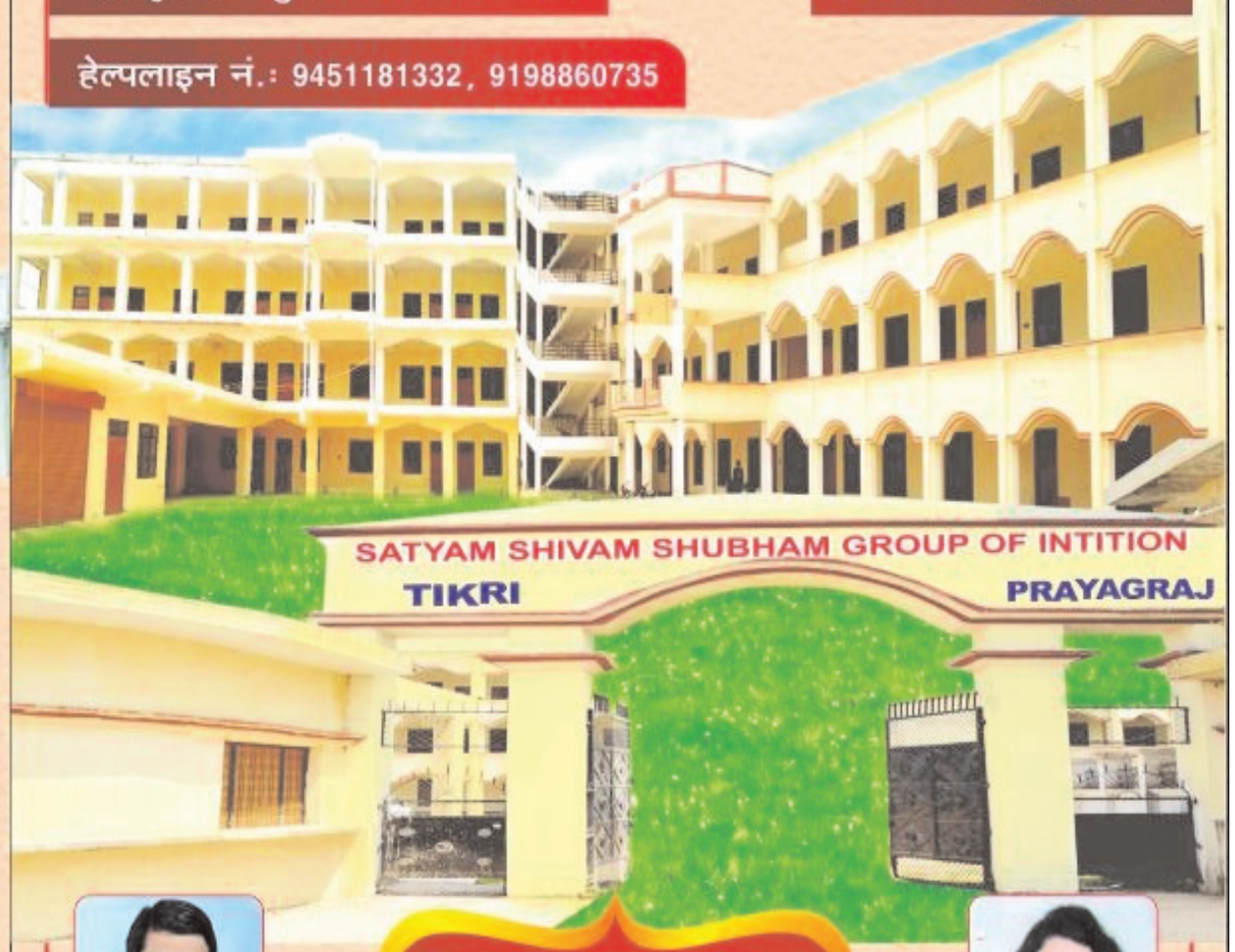

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

भैंस चोरी की घटनाओं में शामिल अभियुक्त को अवैध तमंचा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। 30 अप्रैल को थाना मंझनपुर में प्रार्थी संतोष कुमार पुत्र स्व0 लखनलाल निवासी बंधवा रजबर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गई कि 29/30.04.2026 की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा मेरी एक भैंस व उसका बच्चा चोरी कर लिया है व प्रार्थी अर्जुन कुमार पुत्र अमृतलाल सरोज निवासी भेलखा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गई कि 29/30.04.2026 की रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा 02 भैंस चोरी कर पिकअप में लादकर ले गए।

चोरी की उक्त घटना से संबंधित पूर्व में अलग-अलग तिथियों में 7 अभियुक्तों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया था, जिनमें 4 अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल हुए थे । चोरी की घटनाओं में शामिल अन्य फरार वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना मंझनपुर पुलिस को निर्देशित किया गया था ।
गठित टीमों द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी ।
इसी क्रम मंगलवार को मुखबिर खास की सटीक सूचना पर थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा उपरोक्त भैंस चोरी की घटना से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त चांद बाबू पुत्र मैकन निवासी बड़ा पचम्भा थाना करारी जनपद कौशाम्बी को युसुफपुर रारा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से 01 देशी तमंचा 315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया ।

मुहर्रम के त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक ने किया पैदल गस्त

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। मुहर्रम त्योहार पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक ने पैदल मार्च निकाल कर सतर्कता के साथ भ्रमण किया गया और कई गाँव में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास कराया गया पुलिस अधीक्षक ने भ्रमण कर कानून व्यवस्था के साथ साथ सुरक्षा का एहसास कराते हुए कहा कि आगामी मोहर्रम के त्योहार के जुलूस को लेकर सतर्कता बरती जा रही हैं कोखराज थाना क्षेत्र के रूप नारायण पुर सैलाबी,सीहोरी, बरी पुर ,राला,मलाक भायल उलाचू पुर भरवारी आदि जगहों में पैदल मार्च किया गया मौके में सिराथू सीओ सतेंद्र तिवारी,व एसओ कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य ने मंगलवार को कोखराज थाने के क्षेत्रों में भ्रमण कर सभी धर्म समुदाय के लोगों से मुलाकात के उपरांत शांतिपूर्ण ढंग से जुलूस निकालने के लिए कहा मुहर्रम त्यौहार के जुलूस में आने वाली समस्याओं की जानकारी कमेटी के लोगों से देने को कहा जुलूस के रास्तों में आने वाली समस्याओं के बारे में पल पल की जानकारी देते रहे।
सीओ सिराथू ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सभी ताजिया कमेटी के अध्यक्ष को अपने अपने लोगों को विना किसी विवाद के त्योहार व जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की और सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार में अराजकता व अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने को कहा कोखराज एसओ चन्द्र भूषण ने ताजिया दारो से कहा कि किसी भी प्रकार की कोई सूचना मिलते ही तुरन्त अपने थाने को जानकारी दे।अराजकता करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी मोहर्रम के त्योहार पर पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार सतर्कता दृष्टि बनाए हुए हैं।

सीओ और थाना प्रभारी ने किया पैदल गस्त

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सोमवार को जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा थाना प्रभारी कोखराज चंद्र भूषण मौर्य पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र में पैदल गश्त की गई।
पैदल गश्त के दौरान प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थानों एवं जुलूस मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा आमजन से संवाद स्थापित कर शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।
जनपद पुलिस द्वारा मोहर्रम पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर निगरानी एवं भ्रमण किया जा रहा है।

डीएम ने संभावित बाढ़ के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर, की तैयारियों की समीक्षा

अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं/तैयारियां समय से सुनिश्चित कराने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज संभावित बाढ़ के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की।
जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि सौंपे गए दायित्वों/कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करा लिया जाए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी से खाद्य सामग्री का टेंडर एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से भूसा का टेंडर की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध सुनिश्चित करा लिया जाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों से कहा कि शेल्टर होम का भ्रमण कर रूट देख लिया जाए। कम्युनिकेशन प्लान तैयार कर लिया जाए। आपदा मित्र का भी सहयोग लिया जाए। गोताखोरों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाए। लाइफ जैकेट का वितरण सुनिश्चित कर लिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों से कहा कि कंट्रोल रूम सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं/तैयारियां समय से सुनिश्चित करा लिया जाए।

सीडीओ ने जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति एवं जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक संपन्न हुई।
मुख्य विकास अधिकारी ने उद्यमियों/व्यापारियों की समस्याओं को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि विगत माह निवेश मित्र पोर्टल पर कुल 300 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें 235 प्रकरण निस्तारित हो चुके हैं एवं 31 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लंबित हैं, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।
मुख्य विकास अधिकारी ने सी.एम. युवा योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में लंबित ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा के दौरान ऋण आवेदन, बैंकों में लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी बैंकर्स को लंबित ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एम.ओ.यू. दाखिल निवेशकों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी को शीघ्र समस्या निस्तारित करने के भी निर्देश दिए।
जिला व्यापार बन्धु समिति की बैठक के दौरान बताया गया कि मंडी समिति,ओसा में धर्मकांटा लगाए जाने के लिए निविदा प्राप्त हो चुकी है, अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। बैठक में प्रभास गिरी प्रवेश द्वार पुनः बनाए जाने के प्रकरण पर बताया गया कि आगणन तैयार कर लिया गया है, शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। बैठक में भरवारी बस स्टॉप को आरंभ कराए जाने के प्रकरण पर बताया गया कि अभी बस स्टॉप में कुछ जनसुविधाओं से संबंधित कार्य कराया जाना शेष है, शीघ्र ही कार्य पूर्ण कराकर बस स्टॉप चालू करा दिया जाएगा। बैठक में अजुहा कस्बे में उप डाकघर खोले जाने के प्रकरण पर बताया गया कि फीजिबिलिटी रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।
बैठक में उपायुक्त उद्योग अशोक कुमार एवं उपायुक्त राज्यकर राजेश कुमार मौर्य सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा उद्यमी/व्यापारीगण-रमेश अग्रहरि,प्रवेश केसरवानी, अरुण केसरवानी,पुष्पेंद्र केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

गुमशुदा बालक 4 घंटे में हुआ बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद फतेहपुर पुलिस द्वारा गुमशुदा बालक की तलाश हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना धाता पुलिस/डायल-112 द्वारा सूचना के 04 घंटे के अंदर गुमशुदा नाबालिग बालकों को किया सकुशल बरामद।
पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी खागा के निकट पर्यवेक्षण में तत्काल पुलिस टीम गठित की गई।
मंगलवार को थाना धाता पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग से संबंधित गुमशुदा नाबालिग बालकों को गहन तलाश, पतारसी एवं सुरागरसी के क्रम में सूचना के 04 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर नियमानुसार परिजनों को सुपुर्द किया गया।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान 'मिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरण' के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया।
मंगलवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई ।
कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cybercrime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

सीएचसी स्योहारा में नियमित टीकाकरण पर कार्यशाला आयोजित, माइक्रोप्लान मजबूत बनाने पर जोर

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर । स्योहारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारियों और कर्मचारियों को टीकाकरण कार्यक्रम के बेहतर संचालन एवं माइक्रोप्लान तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।
कार्यशाला का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. स्नेही ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एएनएम, एलएचवी, हेल्थ सुपरवाइजर, चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम), ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर

(बीसीपीएम), एआरओ सहित विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।
डब्ल्यूएचओ की एसएमओ डॉ. ईशा गोयल ने कहा कि नियमित टीकाकरण सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। कोरोना काल में यह कार्यक्रम प्रभावित हुआ था, लेकिन अब सरकार इसकी गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र का ऐसा माइक्रोप्लान तैयार किया जाना चाहिए, जिसमें बच्चों और गर्भवती महिलाओं की संख्या, टीकाकरण सत्रों की जानकारी, वैक्सीन की उपलब्धता और अन्य आवश्यक बिंदु स्पष्ट रूप से शामिल हों।
डॉ. ईशा गोयल ने निर्देश दिए कि रिक्त उपकेंद्रों तथा ईंट-भट्टों के लिए अलग-अलग माइक्रोप्लान तैयार किए जाएं। साथ ही सभी उपकेंद्रों के मानचित्र प्रदर्शित किए जाएं और प्रभावी कम्युनिकेशन प्लान बनाकर उसके अनुसार गतिविधियों का संचालन किया जाए। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित योजना से राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।
कार्यशाला में आगामी 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की भी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को अभियान की रणनीति, लक्ष्य और जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराया गया ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रह सके।
इस अवसर पर डॉ. हासिम, डॉ. प्रणव, डॉ. राकेश, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एआरओ आलोक कुमार, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम सहित अनेक स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

पुलिस के प्रयास से तीन परिवार साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक महोदय के कुशल निर्देशन में महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/ काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती कविता रस्तोगी जी द्वारा 03 प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ म0आ0 अनीता मिश्रा व म0आ0 यशस्वी शर्मा मौजूद रहीं।

विदुरकुटी रोड पर शराब दुकान का विरोध तेज क्षेत्रवासियों ने डीएम से की जांच और स्थानांतरण की मांग

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। विदुरकुटी रोड पर हाल ही में स्थापित की गई मदिरा दुकान को लेकर स्थानीय नागरिकों में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी को जनहित याचिका सौंपकर दुकान के स्थान चयन, लाइसेंस प्रक्रिया और वैधानिक मानकों की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह दुकान घनी आबादी वाले क्षेत्र के मुख्य प्रवेश मार्ग पर स्थित है, जिसके आसपास मस्जिद, मदरसा, विद्यालय तथा आवासीय क्षेत्र मौजूद हैं।
याचिका में कहा गया है कि विदुरकुटी रोड जनपद का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य नागरिक आवागमन

करते हैं। ऐसे में आबादी के बीच और मुख्य मार्ग पर मदिरा दुकान का संचालन सामाजिक वातावरण, सार्वजनिक शांति और सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चिंताजनक है।
क्षेत्रवासियों ने अपने ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए कहा है कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्राप्त है। वहीं अनुच्छेद 47 राज्य को जनस्वास्थ्य की रक्षा और मादक पेयों के सेवन को हतोत्साहित करने का निर्देश देता है। ऐसे में प्रशासन को जनहित और सामाजिक व्यवस्था को प्राथमिकता देनी चाहिए।
ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मदिरा विक्रय स्थलों के चयन में जनहित, सुरक्षा और स्थानीय परिस्थितियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।
क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मदिरा दुकान के लाइसेंस और स्थान चयन की वैधानिक जांच कराई जाए, जिला आबकारी अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण कराया जाए तथा आसपास स्थित धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों से दूरी का सत्यापन किया जाए। साथ ही स्थानीय लोगों की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए जनहित में आवश्यक कार्रवाई की जाए और आवश्यकता पड़ने पर दुकान को किसी वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

नजीबाबाद में पहुंचें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज हुआ स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! नजीबाबाद मैं गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज जी नजीबाबाद पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। वही मुस्लिम समाज के लोगो ने भी महाराज जी का स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजक श्री सिद्धि विनायक ज्वेलर्स के अनुसार महाराज जी नगर की अग्रवाल धर्मशाला पहुंचें उनके आगमन पर नगर की जनता द्वारा भव्य स्वागत किया गया महाराज जी 81 दिन की यात्रा पर निकले हैं। इस यात्रा के तहत पूरे उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा और सभी क्षेत्रों व तहसीलों में पहुंचकर गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करने का संकल्प जन-जन तक पहुंचाया गया। महाराज जी के गाड़ियों के काफिले के साथ समाजवादी के जिला अध्यक्ष के साथ भारी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने प्रवचन में आने वाले चुनाव में ऐसे राजनीतिक संगठन को वोट देने की बात कही जो गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करेगा। इस दौरान पत्रकारों के राम मंदिर चंदे को लेकर एक सवाल पर बात करते हुए उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए, वह लोग जिन्हें बदबू पसंद है वह गौशाला खोलते हैं पत्रकार के पूछे गए इस सवाल पर बोलते हुए वह मैंने कहा कि सुबह के पूर्व मुख्यमंत्री को इस बात को लेकर हमने कहा था कि यह कुल को लजाने वाली बात है। उनके इस वक्तव्य के जवाब में उसी समय मैंने अपना वक्तव्य दिया था। हम वोटरों के पास आए हैं जनता तय करेगी जो गाय को राष्ट्रीय माता घोषित करेगा उसको ही सत्ता दी जाएगी।

छात्र छात्राओं को मिशन शक्ति टीम ने किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मंगलवार को मिशन शक्ति फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नवीन आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।
अभियान के तहत थाना सैनी, चरवा, संदीपनघाट, कौशाम्बी, महिला थाना, करारी, मंझनपुर, मोहब्बतपुर पइंसा एवं पिपरी पुलिस की महिला अधिकारियों/कर्मचारियों एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के गांवों, कस्बों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया गया।
इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, नवीन आपराधिक कानूनों, महिला अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों, महिला सहायता केंद्र, महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं के संबंध में भी विस्तार से बताया गया।
जागरूकता कार्यक्रम के दौरान हेल्पलाइन नंबर 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा एवं 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इनके उपयोग हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

अवैध जल कनेक्शन काटने पहुंचे पालिका कर्मचारियों से अभद्रता, कार्रवाई की मांग

धामपुर! स्योहारा नगर पालिका परिषद स्योहारा के जलकल विभाग के कर्मचारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार, गाली-गलौज और धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने थाना स्योहारा को शिकायती पत्र भेजकर आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद क्षेत्र के मोहल्ला मिल्कियान में पिछले कई दिनों से मुख्य पेयजल लाइन से अवैध रूप से पानी लेने की शिकायतें मिल रही थीं। जांच में एक व्यक्ति द्वारा मुख्य जलापूर्ति लाइन से लगभग एक इंच का अवैध कनेक्शन किए जाने की बात सामने आई। आरोप है कि इस अवैध कनेक्शन

के कारण संबंधित वार्ड में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी और उपभोक्ताओं को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था।
बताया जा रहा है कि जलकल विभाग की लिपिक चांदनी रईस तथा अन्य पालिका कर्मचारी अवैध कनेक्शन हटाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान आरोपी इरशाद पुत्र बुन्दू ने कथित रूप से कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उसने कर्मचारियों को गालियां दीं, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया तथा जान से मारने की धमकी भी दी।
घटना के बाद संबंधित कर्मचारियों ने लिखित शिकायत नगर पालिका प्रशासन को दी। इसके आधार पर अधिशासी अधिकारी ने थाना प्रभारी स्योहारा को पत्र भेजकर आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार का कहना है कि जांच कर मामले में उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बाइक टक्कर के बाद हुआ दर्दनाक हादसा सड़क पर गिरे युवक पर चढ़ा मिनी ट्रक

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। चांदपुर-हस्तिनापुर मार्ग पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा थाना चांदपुर क्षेत्र के ब्लॉक जलीलपुर स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय के सामने हुआ, जहां दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे युवक को पीछे से आ रही एक मिनी ट्रक ने कुचल दिया।
प्राप्त जानकारी के अनुसार दो बाइक सवारों के बीच टक्कर हो गई, जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रही आयशर कंपनी की मिनी ट्रक की चपेट में आकर ग्राम पाड़ला निवासी आयन पुत्र दिलशाद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।
घटना में ग्राम अजदेव निवासी जीशान पुत्र मोमिन गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल

को डायल-108 एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ भिजवाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार एक युवक, जो ग्राम माहू का बताया जा रहा है, अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। वहीं दुर्घटना के बाद मिनी ट्रक चालक भी वाहन लेकर भाग निकला। हालांकि पीछा किए जाने पर उसने हट्टीनाथ मंदिर के पास मिनी ट्रक छोड़ दी और मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि मिनी ट्रक अमरोहा से पानीपत कपड़े की कत्तर लेकर जा रही थी तथा चालक बिजनौर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।
घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फरार चालक एवं अन्य संबंधित लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

भूमि विवाद एवं भू-माफिया के विरुद्ध चल रहे विशेष अभियान की मंडलीय समीक्षा

अभिलेखों के सत्यापन एवं डेटा अद्यतन करने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भूमि विवादों के प्रभावी निस्तारण एवं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध शुरू किए गए विशेष अभियान की समीक्षा मंगलवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल एवं पुलिस महानिरीक्षक अजय मिश्रा की संयुक्त अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस आयुक्त प्रयागराज, मंडल के चारों जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ जनपदवार प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पोर्टल पर उपलब्ध भू-माफिया की सूची एवं उनके विरुद्ध की गई कार्रवाइयों की समीक्षा की गई, जिसमें पुलिस एवं प्रशासन स्तर पर उपलब्ध सूचनाओं में भिन्नता पाई गई। इस पर मंडलायुक्त ने जिलाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सरकारी भूमि संबंधी प्रकरणों में उपजिलाधिकारी स्तर तथा निजी भूमि संबंधी मामलों में पुलिस स्तर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर भू-माफियाओं की एक समेकित एवं प्रमाणिक सूची तैयार कर उसे पोर्टल पर अद्यतन करने तथा लंबित कार्रवाई संबंधी विवरण भी तत्काल अपलोड कराने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने नजूल एवं अन्य सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जों का विशेष सत्यापन कराने के निर्देश दिए। तालाबों एवं अन्य जल निकायों की भूमि पर कब्जे के मामलों में वर्तमान कब्जाधारियों के साथ-साथ अवैध रूप से भूमि का विक्रय करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही संबंधित अभिलेखों एवं धारा-34 की

फाइलों का परीक्षण कर गलत आख्या प्रस्तुत करने वाले लेखपालों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन भू-माफियाओं का निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटाकर भूमि की वर्तमान स्थिति का परीक्षण किया जाए तथा अवैध कब्जा पाए जाने पर वर्तमान कब्जाधारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। अगली समीक्षा बैठक से पूर्व सभी जनपदों को आंतरिक समीक्षा कर अभिलेखों एवं पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों का सत्यापन एवं अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिरीक्षक ने निर्देशित किया कि एकीकृत सूची तैयार करते समय भूमि संबंधी मामलों में पूर्व में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई झेल चुके व्यक्तियों का पुनः सत्यापन किया जाए तथा उनके विरुद्ध लंबित प्रकरणों को भी सूची में शामिल किया जाए। समीक्षा के दौरान अतिक्रमणकताओं एवं वास्तविक भू-माफियाओं के बीच स्पष्ट अंतर सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक प्रकरण का पुनः परीक्षण कर केवल वास्तविक एवं चिन्हित भू-माफियाओं के नाम ही सूचीबद्ध किए जाएं। कहा कि जिन व्यक्तियों के नाम भू-माफिया के रूप में दर्ज हैं, किन्तु उनके विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई नहीं हुई है, ऐसे मामलों की भी पुनः जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि किसी अतिक्रमणकर्ता को गलत रूप से भू-माफिया की श्रेणी में न रखा जाए। बैठक में यह भी पाया गया कि अधिकांश सूचीबद्ध प्रकरण पुराने हैं तथा हाल के वर्षों में की गई कार्रवाई का समुचित विवरण अभिलेखों एवं पोर्टल पर परिलक्षित नहीं हो रहा है। इस पर संबंधित अधिकारियों को अभिलेखों का सत्यापन कर नवीनतम सूचनाएं तत्काल अपलोड कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही वर्ष 2017 से 2026 तक भू-माफियाओं से संबंधित दर्ज प्राथमिकियों एवं अभिलेखों का सीसीटीएनएस के माध्यम से विश्लेषण कर संबंधित व्यक्तियों की आपराधिक पृष्ठभूमि का परीक्षण करने को कहा गया।

बैठक में आईजीआरएस के री-ओपन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि स्पेशल क्लोजर वाले प्रकरणों का पृथक परीक्षण कराया जाए तथा आवश्यकतानुसार अलग टीम गठित कर उनकी गहन जांच सुनिश्चित की जाए, जिससे कोई भी प्रकरण अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण तथ्यों के आधार पर निस्तारित न हो सके।

तहसील फूलपुर बार एसोसिएशन फूलपुर का शपथ ग्रहण समारोह

सबसे तेज प्रयागराज फूलपुर ।अधिवक्ता संघ फूलपुरअध्यक्ष पद पर श्री विजय बहादुर सिंह तथा महामंत्री पर रवीन्द्र प्रताप सिंह ने ली शपथ 12 जून 2026 को तहसील फूलपुर बार एसोसिएशन फूलपुर के वार्षिक चुनाव में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली शपथ लेने वालों में अध्यक्ष पद पर विजय बहादुर सिंह तथा महामंत्री पद पर रवीन्द्र प्रताप सिंह तथा उपाध्यक्ष पद पर लालता प्रसाद सेन उप मंत्री पर नदीम अहमद जैदी तथा प्रकाशन मंत्री पर दीपांकर यादव पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर अखिलेश कुमार यादव ऑडिटर पद पर दिनेश कुमार तथा कार्यकारिणी पद पर विकास कुमार यादव धर्मेंद्र सिंह यादव राकेश कुमार मौर्या व मोहम्मद इसरार व दिलीप कुमार भारतीया को चुनाव अधिकारी श्री सृष्टि नाथ तिवारी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार पटेल फूलपुर सांसद ने बार एवं बेंच में सामंजस बनाए रखते हुए अधिवक्ताओं को काम करने की बात कही शपथ ग्रहण समारोह में अन्य आतिश में कार्मेंद्र नाथ चौधरी न्यायाधीश ग्राम न्यायालय फूलपुर तथा उपजिला अधिकारी फूलपुर श्री अविनाश यादव तहसीलदार फूलपुर तथा नगर पंचायत फूलपुर अध्यक्ष अमरनाथ यादव पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल और उच्च न्यायालय इलाहाबाद के कई वरिष्ठ अधिवक्ता व पदाधिकारी गण उपस्थित थे सभा का संचालन अरविंद कुमार यादव ने की मुख्य अतिथि ने अधिवक्ताओं को बैठने के लिए चैंबर की व्यवस्था जल्द ही करने की बात कही।

पुलिस की नाक के नीचे वारदात, 50 मीटर दूर खड़ी रही 112 गाड़ी, महिलाओं के पैरों से उतर गई पायल, फिर भी मुकदमा नहीं

फूलपुर के रामपुर और करूआडीह में चोरी से ग्रामीणों में आक्रोश, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर और करूआडीह गांवों में चोरों ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी। आरोप है कि रविवार रात बदमाशों ने महिलाओं के पैरों से पायल उतार ली और एक ग्रामीण का मोबाइल व दो हजार रुपये नगद भी चुरा ले गए, जबकि घटनास्थल से महज 50 मीटर दूरी पर यूपी-112 की पुलिस गाड़ी खड़ी थी।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद बदमाश बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देते रहे और किसी को भनक तक नहीं लगी। घटना की सूचना देने के बाद भी अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश है।

भुक्तभोगी महिलाओं किरन देवी और ननकी देवी ने बताया कि रात में सोते समय बदमाश उनके पैरों से पायल निकाल ले गए। वहीं एक ग्रामीण की जेब से मोबाइल फोन और नकदी भी चोरी कर ली गई। सुबह जानकारी होने पर गांव में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में रात्रि गश्त प्रभावी नहीं है, जिससे चोर और असामाजिक तत्व बेखौफ हो गए हैं। लोगों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई और जल्द खुलासे की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटनाएं हो रही हैं और फिर भी केस दर्ज नहीं किया जा रहा, तो आम जनता की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के नाम पर फर्जी आईकार्ड बनाने वाले गिरोह पर शिकंजा, संगठन ने शुरू की कानूनी कार्रवाई

पत्रकारिता की साख पर हमला बर्दाश्त नहीं, दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचायेंगे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। देशभर में पत्रकारों के अधिकारों और पत्रकारिता की गरिमा के लिए कार्यरत जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के नाम का दुरुपयोग कर फर्जी आईकार्ड बनाने और प्रसारित करने वाले कथित गिरोह का मामला सामने आया है। संगठन ने इसे पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सीधा हमला बताते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है। मामले के उजागर होते ही संगठन ने तकनीकी और कानूनी स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है तथा पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने की तैयारी में जुट गया है।

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पश्चिम बंगाल के एक पत्रकार साथी ने जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह से जुड़ने का अनुरोध किया। सत्यापन के दौरान उनके पास मौजूद संगठन का आईकार्ड संदिग्ध पाया गया। आगे की जांच में पता चला कि वह आईकार्ड संगठन द्वारा जारी ही नहीं किया गया था। पूछताछ के दौरान संबंधित व्यक्ति ने झारखंड से जुड़े एक मोबाइल नंबर और एक ई-मेल आईडी की जानकारी उपलब्ध कराई, जिसके माध्यम से कथित तौर पर यह फर्जी आईकार्ड भेजा गया था।

प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि संगठन के आईकार्ड पर अशोक की लॉट का इस्तेमाल किया गया जो कि इम्वलम एक्ट का गलत इस्तेमाल दशार्ता है और गंभीर प्रकरण है।इससे प्रतीत होता है कि कुछ लोग संगठित तरीके से जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के नाम और पहचान का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसे केवल फर्जी आईकार्ड का मामला न मानते हुए संगठन व्यापक स्तर पर इसकी तह तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। संगठन की आईटी टीम डिजिटल साक्ष्यों को एकत्र कर तकनीकी विश्लेषण में जुटी हुई है, ताकि पूरे नेटवर्क की पहचान की जा सके।

पत्रकारिता की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा" – डॉ. अनुराग सक्सेना

जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व संगठन के नाम और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर पत्रकारिता की छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। डॉ. सक्सेना ने बताया कि संगठन के विधिक सलाहकारों, जिनमें विभिन्न उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं, से लगातार परामर्श लिया जा रहा है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित एजेंसियों और साइबर सेल के समक्ष मामला रखा जाएगा ताकि दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचाया जा सके।

संगठन ने देशभर के पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा आम नागरिकों को सतर्क रहने की अपील की है। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि.) ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में सामने आया संबंधित आईकार्ड पूरी तरह फर्जी है और उसका संगठन से कोई संबंध नहीं है। संगठन ने चेतावनी दी है कि ऐसे किसी भी फर्जी पहचान पत्र का उपयोग करने वाले व्यक्ति की जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी। साथ ही यह भी कहा गया कि पत्रकारिता की पवित्रता और विश्वसनीयता की रक्षा के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई भविष्य के लिए एक मजबूत नजीर साबित होगी।

कैण्ट पुलिस द्वारा दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । थाना कैण्ट पुलिस टीम द्वारा दो वांछित अभियुक्त सौरभ यादव पुत्र श्रीपाल यादव निवासी खन्ना थाना खन्ना जनपद महोबा को मुखबिर की सूचना पर थाना खन्ना के सामने रोड से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के पास थाना क्षेत्र खन्ना जनपद महोबा से गिरफ्तार किया गया ।

नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

इसी प्रकार वांछित अभियुक्त शिवेन्द्र सिंह उर्फ शिवम पुत्र अजय सिंह निवासी ठकुरन का पुरवा भवरी थाना रैपुरा जनपद चित्रकूट को मुखिबर की सूचना पर सोमवार को ट्रान्सपोर्ट आफिस छिछरिया मोड़ थाना क्षेत्र रैपुरा जनपद चित्रकूट से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

प्रयागराज जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनों में बढ़ रही चोरी और छिनैती की घटनाओं की रोकथाम तथा अपराधियों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी प्रयागराज और आरपीएफ की संयुक्त टीम को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देश के

तहत क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सौरभ सिंह एवं आरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान मंगलवार को करीब एक बजे रेलवे स्टेशन प्रयागराज के गेट संख्या-06 से दिल्ली एंड की ओर प्लेटफॉर्म संख्या-1 के पास स्थित कॉलोनी गेट के पास से एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी का एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस जांच में गिरफ्तार अभियुक्त चोरी एवं छिनैती की घटनाओं में संलिप्त था। अभियुक्त के कब्जे से बरामद मोबाइल के संबंध में दर्ज एक मुकदमे का सफल अनावरण किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

आंबेडकर द्वार के बैनर पर गांव में बढ़ी तल्खी

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। स्योहारा क्षेत्र के गांव खाईखेड़ा में डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वार निर्माण से संबंधित बैनर लगाए जाने को लेकर दो समुदायों के लोगों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

जानकारी के अनुसार गांव के कुछ ग्रामीणों एवं ग्राम प्रधान द्वारा पूर्व में जिलाधिकारी और उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर खसरा संख्या 55 भूमि के संबंध में शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया था कि उक्त भूमि को पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर धर्मशाला के लिए सुरक्षित रखा गया

था। आरोप है कि बाद में कुछ लोगों द्वारा वहां संत रविदास की प्रतिमा स्थापित कर कब्जा कर लिया गया, जिसकी प्रशासनिक स्तर पर जांच चल रही है।

बताया जाता है कि मंगलवार शाम कुछ लोगों ने उक्त स्थान पर "डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वार निर्माण" का बैनर लगा दिया। इसे लेकर गांव के कुछ लोगों ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया।

गांव निवासी रवि कुमार का कहना है कि सरकारी भूमि पर नई परंपरा शुरू कर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है और इसकी शिकायत पहले भी की जा चुकी है। उन्होंने बैनर लगाए जाने को अनुचित बताते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की है।

हालांकि दूसरे पक्ष का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका। वहीं थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने किसी बड़े विवाद से इनकार करते हुए कहा कि खाईखेड़ा गांव में कोई विवाद नहीं हुआ है।

आईजीआरएस में अव्वल आने पर प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद को आईजीआरएस शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह, आईजीआरएस प्रभारी तथा उनकी टीम को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

डीएम ने तहसील मेजा गंगा किनारे कटान को रोकने के लिए कराये जा रहे कटान निरोधक कार्यों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार को सिंचाई विभाग-बाढ़ कार्य खंड की तहसील मेजा में गंगा जी दायें किनारे पर स्थित ग्राम -डेंगुरपुर, ग्राम- चौखटा नरवर एवं ग्राम-नरवर उपरहार सहित अन्य स्थानों पर बाढ़ चालित परियोजनाओं जिनमें बाढ़ कटाव से सुरक्षा व्यवस्था हेतु बोल्डर कटर सहित स्लोप पिचिंग कटाव निरोधक कार्य सम्मिलित हैं , का निरीक्षण किया तथा वहाँ पर सिंचाई बाढ़ खण्ड के द्वारा लगाये जा रहे बोल्डर, जाली के कार्यों को देखा तथा सिंचाई-बाढ़ खण्ड के अधिशासी अभियंता को कटान रोकने हेतु कराये जा रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्णढंग से एवं प्रोजेक्ट के कार्य को टाइमलाइन के अनुसार पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने श्रमिकों तथा अन्य संसाधनों को बढ़ाते हुए कार्य को पूर्ण करने के लिए निर्धारित समय जुलाई माह तक पूरा करने का निर्देश दिया है । उन्होंने बोल्डर कटर रखने के कार्य को तेजी से कराते हुए इसी माह में पूर्ण कराए जाने का निर्देश दिया है।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी श्रीमती नीलम उपाध्याय, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।

बिहार हत्याकांडः आक्रोशित ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा प्रयागराज जिले के नवाबगंज में प्रदर्शन कर निकला कैंडल मार्च

जमकर किया विरोध प्रदर्शन, हत्यारों को फांसी देने की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा बिहार राज्य में निर्दोष भरत तिवारी के एनकाउंटर को लेकर मंगलवार को कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान हत्यारों को फांसी देने की मांग की गई। जब तक न्याय नहीं तब तक संघर्ष जारी रहेगा। तथा बिहार

पुलिस होश में आओ एवं मुदार्बाद के नारे लगाते रहे। वही नाराज लोगों ने शाहीद भरत तिवारी अमर रहे की लोगों में आवाज गूंज रही थी। इस दौरान मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर प्रमुख रूप से आशीष पांडे, सपा नेता मनोज पांडे, चंचल तिवारी, विकास दुबे, सुधांशु मिश्रा, विकास मिश्रा, भोलानाथ मिश्र, प्रदीप, दिलीप मिश्रा, सार्थक मिश्रा, रितेश पांडे, वरुण तिवारी एडवोकेट, मिथिलेश तिवारी, चंदन यादव आदि सैकड़ो से अधिक संख्या में ब्राह्मण समुदाय के लोग शामिल रहे।

नुक्कड़ नाटक और जादू के जरिए दिया नशामुक्ति का संदेश, प्रयागराज को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प

एएनटीएफ और अपराध निरोधक समिति के संयुक्त अभियान में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मंगलवार को प्रयागराज में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक एएनटीएफ उत्तर प्रदेश लखनऊ अब्दुल हमीद के निर्देशन में 17 जून से 26 जून तक चल रहे नशा विरोधी जागरूकता अभियान के अंतर्गत लीडर रोड पुलिस चौकी और रेलवे स्टेशन गेट नंबर-4 के पास एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) यूनिट प्रयागराज तथा अपराध निरोधक समिति (डीसीपीसी) के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक और जादू के आकर्षक शो के माध्यम से लोगों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दिखाया कि किस प्रकार नशे की

लत एक खुशहाल परिवार को बबार्दी की ओर धकेल देती है। वहीं जादूगर ने मनोरंजक प्रस्तुतियों के जरिए नशे से बचाव और समाज को जागरूक बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक एएनटीएफ प्रयागराज मनोज कुमार सिंह, क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी चारू मिश्रा, काल्विन अस्पताल के डॉ. जय शंकर पाटिल और डॉ. पंकज कोटार्य, वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मिश्रा, डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी तथा डीसीपीसी के सचिव संतोष जायसवाल सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के समापन पर लोगों से अपील की गई कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की गिरफ्त में है तो उसकी मदद करें और सरकार की नशामुक्त हेल्पलाइन 14446 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त करें। उपस्थित लोगों ने प्रयागराज को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का संकल्प भी लिया।

संपादकीय

श्रद्धालुओं की सुरक्षा का इंतजाम कब होगा?

महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर देने वाला है। मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए। प्रारंभिक रिपोटों में मृतकों की संख्या पांच बताई गई, जबकि बाद में विभिन्न स्थानीय स्त्रोतों और प्रशासनिक सूचनाओं में छह लोगों की मृत्यु तथा अनेक श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई। लगभग 30 से 40 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई थी और बचाव दलों ने घंटों तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर लोगों को बाहर निकाला। कई घायलों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में जारी है। इस हादसे ने केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे देश के सामने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी धार्मिक आस्था के केंद्र पर्याप्त रूप से सुरक्षित हैं।

मंदिरों में होने वाली दुर्घटनाएं मुख्य रूप से भीड़ अनियंत्रित होने (भगदड़), कमजोर निर्माण (छत या पिलर गिरना), बिजली के करंट, या आग लगने के कारण होती हैं। महाराष्ट्र के परभणी के यशवाड़ी हनुमान मंदिर में दर्शन के दौरान सभा मंडप की छत अचानक भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में 5 से 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कूलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

पिछले दिनों महाराष्ट्र के सिद्धिनाथ मंदिर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी अनियंत्रित होकर एक गहरे कुएं में जा गिरी, जिससे 9 लोगों की जान चली गई?राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारें न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती है। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए

आपको बता दें कि भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। परभणी की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह उन व्यवस्थागत कमियों की ओर संकेत करती है जिन्हें लंबे समय से नजरअंदाज किया जाता रहा है। यदि किसी निमाणार्धीन अथवा मरम्मताधीन ढांचे में श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी रहती है तो यह सीधे सीधे मानव जीवन को जोखिम में डालने जैसा है।

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जिस सभा मंडप में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, उसकी तकनीकी जांच कब और किस स्तर पर हुई थी। यदि निर्माण कार्य चल रहा था तो क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था? क्या संबंधित विभागों ने समय-समय पर निरीक्षण किया था? क्या मंदिर प्रबंधन समिति ने संभावित खतरे को देखते हुए श्रद्धालुओं के प्रवेश को नियंत्रित करने का प्रयास किया था? इन प्रश्नों के उत्तर केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की दिशा तय करेंगे।

तन से मन तक: भागती-दौड़ती जिंदगी को ठहराव देता योग

दिलीप कुमार पाठक

आज की सुबह कुछ अलग है। उगते सूरज की हल्की लालिमा सिर्फ आसमान को ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों लोगों के चेहरों को भी नई चमक दे रही है। पार्कों में, छतों पर, लिविंग रूम में और समंदर के किनारों पर लाखों लोग अपनी योग मैट बिछाए गहरी सांसें ले रहे हैं। हर साल 21 जून को जब दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाती है, तो वह केवल कुछ शारीरिक कसरतों का प्रदर्शन नहीं कर रही होती। असल में, वह अपनी जड़ों की ओर लौटने का एक सामूहिक उत्सव मना रही होती है। योग किसी मजहब, देश या संस्कृति की बपौती नहीं है। यह इंसान को खुद से जोड़ने का एक बेहद सीधा और सच्चा रास्ता है।

आज की तारीख में हमारी सबसे बड़ी समस्या क्या है? पैसा? सुख-सुविधाएं? नहीं, आज हमारे पास सब कुछ है, बस एक 'चैन की सांस' नहीं है। सुबह अलार्म की चीख से शुरू होने वाला दिन, रात को मोबाइल स्क्रीन स्क्रॉल करते हुए थकान के साथ खत्म होता है। हम हर वक्त किसी न किसी अंधी दौड़ में भाग रहे हैं। इस भागदौड़ का सीधा असर शरीर और दिमाग पर पड़ रहा है। ब्लड प्रेशर, एंग्जायटी, डिप्रेशन और पीठ का दर्द आम बात हो चुके हैं। इसी मोड़ पर आकर हमें योग की सबसे ज्यादा जरूरत महसूस होती है। योग हमें दौड़ना छोड़ने के लिए नहीं कहता, वह बस हमें दौड़ के बीच रुककर सही तरीके से सांस लेना सिखाता है। बीमार शरीर और अशांत मन के साथ सफलता की कोई इमारत खड़ी नहीं की जा सकती।जब हम योग मैट पर बैठकर आंखें बंद करते हैं और गहरी सांस भीतर खींचते हैं, तो शरीर के भीतर एक मौन क्रांति शुरू होती है।

बिखरता विपक्ष, बौना होता कानून और संकट में लोकतंत्र

अशोक भाटिया

भारतीय लोकतंत्र का ताना-बाना एक मजबूत सत्तापक्ष और एक सजग विपक्ष के बीच संतुलन पर टिका हुआ है। सत्ता की निरंकुशता पर लगाम कसने और जनसरोकारों को संसद की दहलीज तक पहुँचाने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश के राजनीतिक परिदृश्य ने एक ऐसा मोड़ ले लिया है, जिसने इस संतुलन को हिलाकर रख दिया है। एक के बाद एक राज्यों में विपक्षी दलों का टूटना, विधायकों का थोक के भाव पाला बदलना और स्थापित क्षेत्रीय दलों का ताश के पत्तों की तरह बिखर जाना अब एक आम परिपाटी बन चुका है। ऐसे में यह सवाल मौजूं हो जाता है कि आखिर यह सिलसिला कब तक चलेगा? और क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएँ और कानून इस राजनीतिक अवसरवाद को रोकने में पूरी तरह अक्षम साबित हो चुके हैं?

एक दौर था जब राजनीति वैचारिक प्रतिबद्धताओं से संचालित होती थी। मतभेद नीतियों पर होते थे, लेकिन दल के प्रति निष्ठा बनी रहती थी। आज की राजनीति पूरी तरह से 'सत्ता-केंद्रित' और 'अस्तित्व रक्षा' के इर्द-गिर्द सिमट गई है। विपक्ष में बैठकर लंबा संघर्ष करने, जनता के बीच जाने और लाठियां खाने का माद्दा अब कम ही नेताओं में बचा है। चुनाव हारते ही या सत्ता से बाहर होते ही नेताओं में छटपटाहट शुरू हो जाती है। विचारधारा की जगह अब शुद्ध राजनीतिक अवसरवाद ने ले ली है। इस अवसरवाद को हवा देने का काम संविधान की दसवीं अनुसूची यानी दलबदल विरोधी कानून की कमियाँ कर रही हैं। 1985 में जब यह कानून लाया गया था, तब इसका मकसद 'आया राम, गया राम' की संस्कृति पर लगाम लगाना था। लेकिन समय के साथ नेताओं ने इसकी काट ढूंढ निकाली। कानून कहता है कि यदि किसी दल के दो-तिहाई (2/3) विधायक या सांसद एक साथ अलग गुट बनाते हैं, तो उनकी सदस्यता रद्द नहीं होगी। नतीजा यह हुआ कि अब 'खुदरा' दलबदल बंद हो गया है और उसकी जगह 'थोक' में पूरी की पूरी पार्टी को तोड़ने का खेल शुरू हो गया है। कानून जो सुरक्षा कवच बगावत को रोकने के लिए दे रहा था, वही अब बगावत को कानूनी जामा पहनाने का सबसे बड़ा औजार बन चुका है।

पिछले कुछ सालों में विभिन्न राज्यों में सत्ता परिवर्तन और पार्टियों के विभाजन के जो मॉडल सामने आए हैं, वे चिंताजनक हैं। महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा जीवंत उदाहरण बना, जहाँ जून 2022 में शिवसेना के भीतर ऐसा विभाजन हुआ कि दो-तिहाई से अधिक विधायक अलग हो गए और तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। इसके बाद देश ने देखा कि कैसे देश के सबसे पुराने क्षेत्रीय दलों में से एक की कमान और चुनाव चिह्न तक बदल गया। इसके ठीक एक साल बाद, जुलाई 2023 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ठउढ) में भी यही कहानी दोहराई गई। महाराष्ट्र की राजनीति में हाल ही में एक नया सियासी तूफान खड़ा हो गया। अभी कल ही उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (वइळ) के 6 लोकसभा सांसदों के एक अलग गुट बनाने और लोकसभा अध्यक्ष से मान्यता मांगने की अटकलों से राज्य में खलबली मच गई है।

5 मई 2026 को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आने से पहले किसी ने सपने में भी किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि महीने-डेढ़ महीने में तृणमूल कांग्रेस का बुरी तरह से विभाजन हो जायेगा। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री और तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि उस समय तक एक ऐसी नेत्री की थी जिसे मोदी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन बंगाल की हार ने सब कुछ बदल दिया। अब वह नेता ही उनको आईना दिखा रहे हैं जो कल तक उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। इसी तरह से आम आदमी पार्टी के सात सांसद भी बिना किसी शोरगुल और सुगबुगाहट के बागी हो गये ओर भाजपा में चले गये। कुछ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र ने शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी टूट देखी थी, जब उनके ही भतीजे अजीत पवार ने बगावत करके अलग न केवल अपनी पार्टी बना ली बल्कि महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार का हिस्सा भी बन गये। यह और बात है कि अजीत पवार अब इस दुनिया में नहीं है और उनकी पत्नी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद वहां की राजनीति में भी बड़ा देखने को मिल रहा है। डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। बीजेपी की कट्टर विरोधी डीएमके अब मोदी के करीब नजर आ रहे हैं। इसी तरह से आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी मोदी सरकार का हिस्सा बनी हुई हैं। खास बात यह है कि जो भी पार्टियां टूटी हैं उसका अलग हुआ धड़ा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन कर या अलग रहते हुए भी मोदी के करीब आ गया।

अब ताजा चर्चा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर हो रही है। सपा टूटेगी इसकी उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अन्य राजनैतिक दलों में जिस तरह से टूट देखने को मिली है उससे सपा में टूट की कुछ खबरों पर लोग विश्वास भी कर रहे हैं। इसकी सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि सपा में टूट होने वाली है। राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि राजनीति में 'धुंआ तभी उठता है जब चिंगारी लगी हो'।

वहीं दूसरी ओर, मध्य प्रदेश (2020) और कर्नाटक (2019) में एक अलग रणनीति देखने को मिली थी । यहाँ दलबदल कानून की पेचीदगियों से बचने के लिए विपक्षी विधायकों से सीधे 'इस्तीफे' दिलवाए गए। इस्तीफे देकर सदन की संख्या को कम किया गया, सरकारें गिराई गईं और बाद में उन्हीं विधायकों ने उपचुनाव लड़कर सत्ताधारी दल के टिकट पर वापसी की। बिहार में तो दलबदल और पाला बदलने की अनिश्चितता ने गठबंधन की विश्वसनीयता को ही दांव पर लगा दिया है। इन तमाम उदाहरणों से स्पष्ट है कि अब सरकारें गिराने और पार्टियां तोड़ने के लिए बाकायदा एक कानूनी और रणनीतिक 'ब्लूप्रिंट' तैयार कर लिया गया है।

विपक्ष का लगातार यह आरोप रहा है कि सत्ताधारी दल द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (एऊ), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (उइक) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। कड़े कानूनों (जैसे ढटछअ) के तहत जेल जाने और व्यापारिक साम्राज्य नष्ट होने के डर से कई नेता अपने राजनीतिक सिद्धांतों का सौदा करने को मजबूर हो जाते हैं। इसे राजनीति के गलियारों में 'वाशिंग मशीन मॉडल' कहा जाने लगा है, जहाँ सत्तापक्ष में शामिल होते ही नेताओं के पुराने मुकदमे ठंडे बस्ते में चले जाते हैं।

हालांकि, सारा दोष सत्तापक्ष या एजेंसियों पर मढ़कर विपक्षी दल अपनी कमजोरियों से आंखें नहीं मूंद सकते। सच यह भी है कि भारत के अधिकांश क्षेत्रीय दल घोर परिवारवाद और केंद्रीकरण के शिकार हैं। इन दलों में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं बची है। जब तक कोई दल सत्ता में रहता है, तब तक असंतोष दबा रहता है। लेकिन सत्ता से बाहर होते ही और शीर्ष नेतृत्व के कमजोर पड़ते ही, जमीनी और महत्वाकांक्षी नेताओं का दम घुटने लगता है। जब पार्टी के भीतर संवाद के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं, तो बगावत की जमीन स्वतः तैयार हो जाती है। इस पूरे खेल में सबसे बड़ा नुकसान देश के आम मतदाता और लोकतांत्रिक मूल्यों का हो रहा है। जनता चिलचिलाती धूप में कतारों में खड़ी होकर किसी एक दल या विचारधारा के पक्ष में मतदान करती है। लेकिन कुछ ही महीनों बाद उसके द्वारा चुना गया प्रतिनिधि विपक्षी बेंच से उठकर सत्तापक्ष की गोद में बैठ जाता है। यह जनादेश के साथ सबसे क्रूर भद्दा मजाक है। इससे मतदाताओं में राजनीतिक विरक्ति पैदा होती है और उनका लोकतांत्रिक प्रणाली से भरोसा उठने लगता है।

इसके अलावा, भारत एक बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी देश है, जहाँ क्षेत्रीय दल स्थानीय अस्मिता और क्षेत्रीय मुद्दों की आवाज होते हैं। जब राष्ट्रीय दलों की आक्रामक विस्तारवादी नीतियों के कारण क्षेत्रीय दल टूटते हैं या कमजोर होते हैं, तो इससे देश के संघीय ढांचे पर विपरीत असर पड़ता है। एक दलीय प्रभुत्व की ओर बढ़ता देश विविधता के सिद्धांत के खिलाफ है।

अपना बोया ही काट रही ममता बनर्जी

-डॉ. आशीष वशिष्ठ, स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस को मिली ऐतिहासिक पराजय के बाद, जिस तरह पार्टी के विधायक और सांसद ममता बनर्जी से नाता तोड़ रहे हैं, उसने कई लोगों को हैरान किया है। लेकिन ममता बनर्जी पिछले 28-29 सालों से जिस तरह की सिद्धान्तहीन राजनीति करती रही हैं, उसे देखते हुए इन जन-प्रतिनिधियों के कारनामे कुछ भी असामान्य नहीं लगते। वे बस वही कर रहे हैं जो ममता दीदी ने उन्हें सिखाया है। असल में, अच्छा शिष्य वही है जो अपने गुरु के दिखाए रास्ते पर चले। ये सांसद और विधायक भी वही कर रहे हैं जो ममता बनर्जी करती रही हैं, यानी बिना किसी सिद्धांत या आदर्शवादी राजनीति। किसी को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करना और काम निकल जाने पर उसे छोड़ देना, बार-बार उससे मुंह मोड़ लेना और विपक्षी पार्टियों के विधायकों पर हमला करना।

तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों और सांसदों पर मुख्य आरोप यह है कि तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद, वे अब विपक्षी भाजपा के साथ मिल रहे हैं, वही भाजपा, जिसे उन्होंने चुनाव के दौरान सांप्रदायिक पार्टी बताकर हराया था। लेकिन ममता बनर्जी ने भी 1998 में ऐसा ही किया था, जब उन्होंने 1 जनवरी 1998 को कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता बनर्जी को कांग्रेस से यह शिकायत थी कि राज्य में लेफ्ट फ्रंट को हराने के लिए कांग्रेस भाजपा के साथ हाथ क्यों नहीं मिला रही है? उस समय ममता भाजपा को सांप्रदायिक नहीं मानती थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा कोई सांप्रदायिक पार्टी नहीं है। तो, अगर अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक कह रहे हैं कि भाजपा सांप्रदायिक पार्टी नहीं है, तो इसमें क्या गलत है? वे बस अपनी प्रिय नेता के पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चार बार (2013, 2017, 2022 और 2024 में) अपना पक्ष बदला, लेकिन ममता बनर्जी अब तक पांच बार अपना पक्ष बदल चुकी हैं। इतिहास के पन्ने पलटे तो, बात 1997 की है, केंद्र में संयुक्त मोर्चा की सरकार थी। संयुक्त मोर्चा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया, नतीजतन नवंबर 1997 में सरकार गिर गई और 1998 में नए सिरे से लोकसभा चुनाव हुए। तब तक ममता कांग्रेस छोड़कर एक नई पार्टी बना चुकी थीं। चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के साथ सीट का समझौता किया और सात सीटें जीतीं। हालांकि, वह सरकार में शामिल नहीं हुईं क्योंकि उन्होंने राज्य में अपनी नई बनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान दिया। 13 महीने बाद केंद्र सरकार गिर गई।

1999 के चुनावों के बाद एक नई सरकार बनी, जिसमें ममता बनर्जी रेल मंत्री बनीं। 2001 में, जब बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक थे, तो ममता को लगा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करना फायदेमंद रहेगा। इसलिए, मार्च 2001 में उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले (तहलका स्टिंग ऑपरेशन) का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। हालांकि, इससे भी बंगाल में लेफ्ट फ्रंट को हराया नहीं जा सका। लेफ्ट फ्रंट ने 199 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 31 प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ.60 सीटें मिलीं।

अगले विधानसभा चुनाव में अभी पांच साल बाकी थे और केंद्र में भाजपा की सरकार थी। इसलिए, 2003 में ममता बनर्जी फिर से वाजपेयी सरकार में शामिल हो गईं। वह सितंबर 2003 में वाजपेयी सरकार में मंत्री बनीं, जबकि गुजरात दंगे डेढ़ साल पहले, यानी फरवरी 2002 में हो चुके थे। उन्होंने दंगों के लिए गुजरात में मोदी सरकार के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन जब अप्रैल 2002 में लोकसभा में वाजपेयी सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया, तो ममता की पार्टी ने वाजपेयी का समर्थन किया। इस समर्थन के बदले, कुछ महीनों बाद उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया।

ममता बनर्जी ने 2004 के लोकसभा और 2006 के विधानसभा चुनाव बीजेपी के साथ गठबंधन करके लड़े। हालांकि, जब उनकी पार्टी को दोनों चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 2004 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल को सिर्फ एक सीट मिली और 2006 के विधानसभा चुनावों में न सिर्फ पार्टी का वोट शेयर घटा (26 प्रतिशत हो गया) बल्कि उसकी सीटें भी आधी रह गईं, तो ममता को लगा कि भाजपा के साथ गठबंधन करने का कोई फायदा नहीं है। केंद्र में भाजपा के सत्ता से बाहर होने के बाद, ममता बनर्जी ने फिर से कांग्रेस पार्टी का रुख किया। उन्होंने 2009 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े। तृणमूल कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं। इस जीत से उत्साहित होकर, उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 2011 का विधानसभा चुनाव लड़ा और

सत्ता पक्ष में जाने के बाद क्या बागी सांसदों को टिकट मिलेगा?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। समय-समय पर विभिन्न दलों के नेता और सांसद राजनीतिक परिस्थितियों, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं या वैचारिक मतभेदों के कारण अपने दल छोड़कर दूसरे दलों का दामन थामते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में यह प्रवृत्ति और अधिक बढ़ी है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि सत्ता पक्ष में शामिल होने वाले बागी सांसदों को क्या अगले चुनाव में टिकट मिलेगा?

राजनीति में टिकट का निर्धारण केवल निष्ठा के आधार पर नहीं होता, बल्कि जीत की संभावना, जनाधार और पार्टी की रणनीति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सत्ता पक्ष आमतौर पर उन नेताओं को अपने साथ जोड ?ा चाहता है जो चुनावी दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकते हैं। इसलिए यदि कोई बागी सांसद अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखता है और उसके आने से पार्टी को राजनीतिक फायदा होता है, तो उसे टिकट मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

हालांकि यह भी सच है कि किसी दल में वर्षों से कार्य कर रहे पुराने कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए ऐसे फैसले असंतोष का कारण बन सकते हैं। जब बाहर से आए नेता को प्राथमिकता मिलती है, तो संगठन के भीतर नाराजगी बढ ? का खतरा रहता है। कई बार यही नाराजगी चुनावी नुकसान का कारण भी बन जाती है। इसलिए राजनीतिक दलों को संतुलन बनाकर चलना पड़ता है।

दूसरी ओर, बागी सांसदों के सामने भी चुनौती कम नहीं होती। दल बदलने के बाद उन्हें नए दल की विचारधारा, संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित करनी पड़ती है। केवल सत्ता पक्ष में शामिल हो जाना टिकट या राजनीतिक भविष्य की गारंटी नहीं है। यदि पार्टी नेतृत्व को लगता है कि संबंधित नेता चुनाव जिताने में सक्षम नहीं है, तो टिकट किसी अन्य उम्मीदवार को भी दिया जा सकता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में दल-बदल की बढ़ती घटनाएं राजनीतिक सिद्धांतों और जनादेश की भावना पर भी सवाल खड़े करती हैं। मतदाता किसी उम्मीदवार के साथ-साथ उसकी पार्टी और विचारधारा को भी ध्यान में रखकर मतदान करता है। ऐसे में बार-बार होने वाले राजनीतिक पलायन से जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

बागी सांसदों को टिकट मिलेगा या नहीं, इसका निर्णय राजनीतिक समीकरणों, जनाधार, संगठनात्मक संतुलन और चुनावी संभावनाओं पर निर्भर करेगा। लेकिन यह अपेक्षा अवश्य की जानी चाहिए।

युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इजराइल पर लगाम जरूरी

तनवीर जाफरी

अमेरिका -ईरान के मध्य फिलहाल युद्धविराम हो चुका है। घोर अविश्वास के बीच हुआ यह युद्ध विराम कब तक चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता। परन्तु ईमानदाराना युद्ध विराम लागू होने की स्थिति में हारमूज स्ट्रेट जलमार्ग के खुलने से पूरे विश्व पर मंडराने वाले संकट के बादल छंटने से पूरी दुनिया जरूर राहत की सांस लेगी। हाँ यदि कोई एक देश इस युद्ध विराम व शांति से खुश नहीं है वह है इकलौता देश इस्त्राईल। इस्त्राईल विगत लगभग 50 वर्षों से फिलिस्तीन व लेबनान क्षेत्र में रक्तपात करता आ रहा है। अब तक लाखों बेगुनाह लोगों की हत्यायें कर चुका इस्त्राईल मात्र अपनी सीमाओं के विस्तार के लिये रक्तपात करता आ रहा है। निश्चित रूप से इस्त्राईल की इस आक्रामकता के पीछे शुरू से ही अमेरिका व अन्य कई पश्चिमी देशों का संरक्षण मुख्य कारण रहा है। परन्तु अब अमेरिका भी इस्त्राइल विशेषकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अनियंत्रित आक्रामकता से तंग आ चुका है। गजा नरसंहार के चलते अंतर्राष्ट्रीय अदालत के वारंट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अपने 'संरक्षक ' अमेरिका से भी आये दिन झिड़कियां खा रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि केवल अमेरिका की सरपरस्ती के चलते परन्तु अमेरिका की इच्छा के विपरीत इस्त्राइल अनेक बार लेबनान व गजा में युद्ध विराम का उललंघन करता आ रहा है। इसकी वजह से कई बार शांति की संभावनाओं को पलीता लग चुका है। अमेरिका के राजनैतिक हल्कों में इस बात की भी चर्चा जोरों पर है कि नेतन्याहू ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उकसा व भड़काकर तथा गलत जानकारियां देकर ईरान के साथ युद्ध में झोंक दिया। जिसके परिणामस्वरूप न केवल अमेरिका में इसका भारी विरोध हुआ बल्कि कई उच्चाधिकारी यही कहते हुये इस्तीफा भी दे गये कि वे अमेरिकी हितों की रक्षा के लिये तो युद्ध कर सकते हैं परन्तु इस्त्राइली हितों के लिये हरगिज नहीं।

यही वजह है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप भी अब इंसानी खून के प्यासे नेतन्याहू की शातिराना चालबाजियों को देर से ही सही, परन्तु भांप चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिका -इस्त्राईल बनाम ईरान युद्ध में उलझ चुका अमेरिका जब जब इस युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश करता है , तब तब इस्त्राईल कभी युद्ध विराम का उल्लंघन व अवहेलना कर तो कभी युद्ध विराम को अस्वीकार कर विश्वशांति को धक्का पहुँचाता रहा है।

हद तो यह है कि अमेरिका- ईरान के मध्य होने वाली शांति वाताओं से ठीक पहले या उसी दौरान इस्त्राइल द्वारा कतर की राजधानी दोहा में हमास के वातार्कारों के दल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। इस हमले में हमास के वातार्कारों के 6 सदस्य मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस हमले की निंदा करते हुये इसे कतर की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन करार दिया था।

और अब इस्त्राइली युद्धोन्माद इस हद तक पहुँच चुका है कि दुनिया में सबसे अधिक युद्धरत रहने वाला अमेरिका भी इस्त्राइली आक्रामकता पूर्ण रवैये से तंग आकर नेतन्याहू व इस्त्राईली आक्रामकता के पक्षधर कट्टरपंथी नेतृत्व को न केवल आइना दिखने लगा है बल्कि उसके लिये ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है जोकि किसी भी स्वाभिमानी प्रधानमंत्री व उस के देश के लिये शर्म की बात है। इन कड़वे व तल्ख बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2026 में अमेरिका-इस्त्राईल रिश्ते न केवल ठन्डे पड़ रहे हैं बल्कि दोनों देशों के संबंध इस वक़्त के सबसे खराब दौर से भी गुजर रहे हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों ऋ-7 समिट के मंच से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू को "क्रेजी" कहा और दावा किया- "मेरे बिना इस्त्राईल का अस्तित्व नहीं होता" ।

ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा - "तुम पागल हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते"। इसी तरह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गत 18 जून को ईरान-अमेरिका टङ्ग्व साइन होने के बाद नेतन्याहू व इस्त्राईल को संबोधित करते हुये कहा कि "पूरी दुनिया में अमेरिका तुम्हारा इकलौता दोस्त बचा है, तुम उसी के खिलाफ खड़े हो"?

पिता का स्नेह, जीवन का सबसे बड़ा योग

सत्य भूषण शर्मा

हर वर्ष जून माह के तीसरे रविवार को दुनिया भर में फादर्स डे मनाया जाता है। यह दिन केवल पिता को शुभकामनाएं देने या उपहार भेंट करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके त्याग, समर्पण, संघर्ष और प्रेम को स्मरण करने का भी दिन है। पिता वह व्यक्तित्व है जो परिवार की मजबूती का आधार होता है। वह अपने बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए जीवन भर तपस्वी की तरह कर्म करता है। यदि योग का वास्तविक अर्थ जोड़ना, संतुलन बनाना और जीवन को सही दिशा देना है, तो निस्संदेह पिता का जीवन स्वयं में सबसे बड़ा योग है। भारतीय संस्कृति में पिता को परिवार का संरक्षक, मार्गदर्शक और अनुशासन का प्रतीक माना गया है। वह केवल घर चलाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह शक्ति है जो परिवार को एक सूत्र में बांधकर रखती है। उसकी उपस्थिति परिवार को सुरक्षा का विश्वास देती है और उसका अनुभव जीवन की कठिन राहों में प्रकाशस्तंभ का कार्य करता है।

फादर्स डे हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम अपने पिता को वास्तव में कितना समझते हैं। अक्सर पिता अपने प्रेम का प्रदर्शन शब्दों में कम और कर्मों में अधिक करते हैं। वे अपनी चिंताओं को स्वयं तक सीमित रखते हैं और परिवार की खुशियों को प्राथमिकता देते हैं। बच्चों की पढ़ाई, करियर, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए वे अपने अनेक सपनों का त्याग कर देते हैं। उनके जीवन का प्रत्येक दिन एक साधना की तरह होता है।

योग का मूल उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है। पिता भी परिवार में इसी संतुलन की स्थापना करता है। वह प्रेम और अनुशासन, अधिकार और दायित्व, सपनों और वास्तविकताओं के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। परिवार में जब कोई संकट आता है, तब पिता सबसे पहले आगे बढ़कर उसका सामना करता है। उसकी यही भूमिका उसे एक सच्चे कर्मयोगी का दर्जा देती है।आज के बदलते सामाजिक परिवेश में पिता की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं। आधुनिक तकनीक, प्रतिस्पर्धा और बदलती जीवनशैली के बीच बच्चों को सही दिशा देना आसान नहीं है। ऐसे समय में पिता केवल आर्थिक सहयोगी नहीं, बल्कि एक मित्र, सलाहकार और प्रेरक की भूमिका भी निभा रहा है।

वह अपने अनुभवों के माध्यम से नई पीढ़ी को जीवन के मूल्यों से जोड़ने का कार्य करता है।

फादर्स डे का वास्तविक महत्व तभी सार्थक होगा जब हम केवल एक दिन नहीं, बल्कि पूरे वर्ष अपने पिता के योगदान का सम्मान करें। उनके संघर्षों को समझें, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें और उनके अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड: SIT ने सौंपी 140 पन्नों की रिपोर्ट, 150 से अधिक संदिग्धों के नाम आए सामने, 25 पर बड़ी गाज गिरनी तय

अयोध्या

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला के चढ़ावे और दान राशि में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं और चोरी के मामले में गठित विशेष जांच दल (SIT) ने अपनी 140 पन्नों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर शासन को सौंप दी है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े निर्देश पर गठित इस उच्च स्तरीय जांच टीम ने मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों और बैंक अधिकारियों सहित 150 से अधिक संदिग्धों को अपनी जांच के दायरे में लिया है. इस विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही मंदिर के 25 बड़े और रसूखदार लोगों पर कानूनी कार्रवाई की गाज गिरनी तय मानी जा रही है.140 पन्नों की रिपोर्ट में वित्तीय हेराफेरी का सनसनीखेज खुलासाएसआईटी की इस 140 पन्नों की रिपोर्ट में राम मंदिर में आने वाले करोड़ों रुपये के चढ़ावे को गायब करने की क्रोनोलॉजी

का सिलसिलेवार ब्योरा दिया गया है. जांच के दौरान जो प्रमुख बातें सामने आई हैं, वे इस प्रकार हैं:

दानपात्रों से सीधे नकदी गायब: रिपोर्ट के अनुसार, रामलला के गर्भगृह और परिसर में रखे विभिन्न दानपात्रों से नियमित रूप से नोटों की गड्डियां गायब की जा रही थीं.

अकाउंटिंग में भारी गड़बड़ी: श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए नकद दान, सोने-चांदी के आभूषणों और रसीद बुक के रिकॉर्ड में भारी अंतर पाया गया है.

डिजिटल और मैन्युअल रिकॉर्ड में हेरफेर: मंदिर के कंप्यूटर सिस्टम में एंट्री करने के दौरान लाखों रुपये की दान राशि के आंकड़ों को बदला गया, ताकि ऑडिट के समय चोरी पकड़ी न जा सके.

150 संदिग्धों से पूछताछ, 25 आरोपियों की सूची तैयारइस बड़े घोटाले की जड़ तक पहुंचने के लिए एसआईटी ने पिछले कई हफ्तों से अयोध्या में डेरा डाला हुआ था.

जांच टीम ने आधुनिक फॉरेंसिक टूल्स और सर्विलांस की मदद ली:

सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए: मंदिर परिसर में लगे पिछले छह महीनों के हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को बारीकी से खंगाला गया, जिसमें कुछ कर्मचारी संदिग्ध रूप से नोटों को छिपाते हुए दिखे हैं.

150 लोगों की कुंडली तैयार: जांच दल ने मंदिर के रसोइया, सेवादारों, सुरक्षाकर्मियों से लेकर बैंक के उन प्रतिनिधियों समेत 150 लोगों की सूची तैयार की है जो दान राशि की गिनती में शामिल होते थे.

25 मुख्य आरोपियों पर एफआईआर की तैयारी: एसआईटी ने इनमें से 25 ऐसे मुख्य संदिग्धों को चिह्नित कर लिया है, जिनके खिलाफ पुख्ता सबूत मिले हैं. इन लोगों पर जल्द ही धोखाधड़ी, चोरी और आपराधिक साजिश के तहत एफआईआर (FIR) दर्ज कर जेल भेजा जाएगा.सुरक्षा घेरे और बैंक काउंटिंग प्रक्रिया पर भी उठे सवालएसआईटी की रिपोर्ट में केवल व्यक्तिगत चोरी की बात नहीं कही गई है, बल्कि पूरे सिस्टम की कमियों को उजागर किया गया है:

बैंक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध: मंदिर का चढ़ावा सीधे बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में गिना जाता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि बिना बैंक कर्मियों और कुछ वरिष्ठ प्रबंधकों की मिलीभगत के इतनी बड़ी राशि का गायब होना नामुमकिन था.

सुरक्षा पास का गलत इस्तेमाल: कुछ ऐसे बाहरी लोगों के भी मंदिर के प्रतिबंधित वित्तीय क्षेत्रों में आने-जाने की बात सामने आई है, जिनके पास वैध पास नहीं थे या जिन्हें वहां जाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए थी.

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के सिविल अस्पताल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि

ह्यएक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान, नहीं चलेंगेह्न के उद्घोषक, प्रखर राष्ट्रवादी और जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। भारत की एकता और अखंडता के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक देशवासी के हृदय में सदैव राष्ट्रवाद की लौ प्रज्वलित करता रहेगा।

मुख्यमंत्री के अलावा उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही,जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह,मंत्री बलदेव सिंह ओलख,विधायक डा.नीरज बोरा,एमएलसी अवनीश पटेल,एमएलसी लालजी प्रसाद निर्मल,पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह,नीरज सिंह व भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

डॉ. मुखर्जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएंगे कार्यकर्ता: अनिल दीक्षित

कानपुर।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित रहा तथा स्मरण अभियान के माध्यम से उनके विचारों और राष्ट्रसेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

यह बातें सोमवार को भाजपा कानपुर उत्तर के जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहीं।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर उत्तर की संगठनात्मक बैठक सोमवार को नवीन मार्केट स्थित जिला कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस से लेकर 6 जुलाई को उनकी

जयंती तक चलने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मरण अभियान की तैयारियों और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान देश की अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकताओं से अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक में अभियान के तहत जिले के सभी बूथों और मंडलों में श्रद्धांजलि सभाएं, पुष्पांजलि कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां, संगोष्ठियां, प्रदर्शनी, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तय की गई। इन कार्यक्रमों में युवाओं, प्रबुद्धजनों और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि अभियान के लिए जिला उपाध्यक्ष सत्यम गुप्ता को संयोजक बनाया गया है, जबकि जिला मंत्री पारस मदान, किरण तिवारी और शालिनी कटियार को सहसंयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक में जिला महामंत्री अवधेश सोनकर, अभिनव दीक्षित, प्रमोद विश्वकर्मा, जन्मेजय सिंह, सतेंद्र नाथ पांडेय, सीमा एमबीए, नवाब सिंह, विनोद पाल, मोनेन्द्र राजपूत, जीतू कश्यप, प्रशांत त्रिपाठी, पूनम कंवर, सुरेश गुप्ता, जिशान अहमद, श्याम कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिहार के भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में ब्राह्मण समाज ने सौंपा ज्ञापन

हमीरपुर।

बिहार में भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ का मामले को लेकर हमीरपुर में सोमवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर नारेबाजी की। मामले की उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर राष्ट्रपति से सम्बोधित ज्ञापन एडीएम वित्त एवं राजस्व को सौंपा।

अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद की जिलाध्यक्ष दीपा तिवारी के नेतृत्व दिए ज्ञापन कहा कि कहा कि बिहार के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर की घटना से समाज में व्यापक चिंता और आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन देने के पश्चात उपस्थित कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत भरत तिवारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर अमित कुमार,रमाकांत शुक्ला,सत्येंद्र,सत्य प्रकाश शर्मा,सुनील त्रिपाठी,पं. राघवेंद्र,अमित तिवारी, कृष्ण कुमार,सागर मिश्रा, जुगुल किशोर तिवारी सहित अन्य ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित रहें।

अवैध असलहा तस्करी मामले में मुकेश श्रीवास की जमानत अर्जी खारिज

झांसी।

अवैध असलहा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपित मुकेश श्रीवास को अदालत से कोई राहत नहीं मिली है। अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावित क्षेत्र झांसी नेत्रपाल सिंह की अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत के इस फैसले के बाद आरोपित को फिलहाल जेल में ही रहना होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे विशेष शासकीय अधिवक्ता विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि 16 मई 2026 को थाना सीपरी बाजार पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए नालगंज आदर्श नगर निवासी मुकेश श्रीवास तथा उसके साथी बोबी उर्फ संत दयानंद और विवेक चौहान को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनके कब्जे से आधा दर्जन से अधिक अवैध असलाह, सोने-चांदी के जेवरात तथा 97 हजार रुपये नकद बरामद किए थे।

पुलिस की जांच में सामने आया था कि तीनों आरोपित लंबे समय से अवैध असलहा तस्करी के कारोबार में संलिप्त थे। बरामद हथियारों और अन्य सामान के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया था, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था।

सोमवार को आरोपी मुकेश श्रीवास की ओर से अदालत में जमानत याचिका प्रस्तुत की गई। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए अपराध की गंभीरता और आरोपी की भूमिका को न्यायालय के समक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए जमानत याचिका निरस्त कर दी।

अदालत के आदेश के बाद आरोपित मुकेश श्रीवास को फिलहाल जेल में ही रहना पड़ेगा, जबकि मामले की आगे की सुनवाई नियमानुसार जारी रहेगी।

कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों की जांच हो : पवन गुप्ता

कानपुर।

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड बेहद दुखद और चिंताजनक है। शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन होना चाहिए तथा कानपुर के कोचिंग संस्थानों की भी जांच कर सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह बातें सोमवार को कानपुर महानगर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहीं।

लखनऊ में कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना में छात्रों की मौत पर कानपुर महानगर कांग्रेस ने सोमवार को तिलक हाल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने कैंडिल जलाकर दिवंगत छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने मृत छात्रों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं पूरे समाज को झकझोर देती हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

पवन गुप्ता ने कहा कि शहरों में बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि सभी संस्थानों में अग्निशमन और अन्य सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं।

उन्होंने प्रशासन से लखनऊ घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

श्रद्धांजलि सभा में हरप्रकाश अग्निहोत्री, हमदुल्लाह मालिक, रवि तिवारी, पदम मोहन मिश्रा, राकेश साहू, प्रमोद गुप्ता, लल्लन अवस्थी, धर्मेंद्र सिंह, शंकर दत्त मिश्रा, हाजी कौसर, रवि बाजपेयी, राजू कश्यप, विनोद अवस्थी, राजेंद्र वाल्मीकि, मो. आफताब, बृजेश गुप्ता, आशिक अली समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हजरत अली की शान, अजमत और सीरत-ए-मुबारका के विभिन्न पहलुओं पर डाली रोशनी

मुरादाबाद।

केंद्रीय जमीयत अहले सुन्नत के तत्वावधान में लाल मस्जिद में आयोजित दस दिवसीय जिक्र-ए-शहीदान-ए-कर्बला कार्यक्रम के आठवें दिन सोमवार को हजरत अली की शान, अजमत और सीरत-ए-मुबारका के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली गई। मुफ्ती मोहम्मद दानिश कादरी ने कहा कि हजरत अली की महानता को केवल उनकी वीरता या अहले बैत से संबंध तक सीमित नहीं किया जा सकता।

स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ रहे हजारों परिवार, पीएम सूर्यघर योजना में कानपुर प्रदेश में दूसरे स्थान पर : जिलाधिकारी

कानपुर।

कानपुर में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत सौर ऊर्जा का दायरा तेजी से बढ़ रहा है और अधिक से अधिक परिवार इससे जुड़कर बिजली खर्च में राहत पा रहे हैं। जनपद में योजना के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए विभागों, बैंकों और संबंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ काम करना होगा। यह बातें सोमवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहीं।

सरसैया घाट स्थित नवीन

सभागार में आज आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने योजना की प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 37,844 घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिससे 132.09 मेगावाट सौर क्षमता विकसित हुई है। इस उपलब्धि के साथ कानपुर प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 36,032 लाभार्थियों को सब्सिडी का भुगतान किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से 21 जून तक 10,249 नए सोलर संयंत्र स्थापित किए गए हैं। चालू वित्तीय वर्ष के लिए जिले को 42,684 संयंत्र लगाने का लक्ष्य मिला है।

जिलाधिकारी ने बैंकों को पात्र आवेदकों के ऋण प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए और कहा कि 30 जून तक स्वीकृतियों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने डिस्कॉम अधिकारियों को संयंत्रों के सत्यापन कार्य में तेजी लाने तथा लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, नेडा के परियोजना अधिकारी राकेश पाण्डेय, बैंक प्रतिनिधि, डिस्कॉम अधिकारी और वेंडर मौजूद रहे।

शार्ट सर्किट से मिठाई की दुकान में लगी आग, तेज आवाज के साथ फटे गैस सिलेंडर

इटावा।

उत्तरप्रदेश के इटावा जनपद में थाना ऊसराहार क्षेत्र के अंतर्गत सरसई नावर में देर रात मिठाई की दुकान के बाहर लगे ग्राम पंचायत के वाटर कूलर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई । देखते ही देखते आग ने मिठाई की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया जिससे दुकान में रखे गैस सिलेंडर फट गए और भीषण धमाके के साथ आग बढ़ती चली गई और पास की दो दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद

आग पर काबू पाया । हादसे में व्यापारियों का चार से पांच लाख रुपए का नुकसान होने की संभावना है।

पीड़ित दुकानदार सुखदेव उर्फ संतू ने बताया कि उसकी मिठाई की दुकान सरसई नावर में ऊसराहार रोड पर है। रोज की भांति वह बीती रात को दुकान बंद कर अपने घर गया था लेकिन रात में दुकान के बाहर लगे ग्राम पंचायत के वाटर कूलर में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई और आग ने उसकी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया जिससे दुकान के अंदर रखे गैस सिलेंडर फट गए और दुकान बढ़ती हुई बगल की दो दुकानों में भी लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से उसने आग पर काबू पाया है।

सूने पड़े घर में लाखों की चोरी, जेवरात और तीन गैस सिलेंडर ले गए चोर

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में फफूंद थाना क्षेत्र में सूने एक मकान को चोरों ने निशाना बनाया और लाखों रुपये जेवरात चोरी कर भाग निकले। चोर घर में रखे तीन गैस सिलेंडर भी चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर पुलिस मंगलवार की सुबह मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

फफूंद के ग्राम तरई निवासी मदन कुशवाहा ने बताया कि वह गुड़गांव में माली का कार्य करता है और वहीं पत्नी सीमा देवी व दो बच्चों के साथ रहते हैं। गांव स्थित घर में ताला लगा रहता था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह परिवार सहित गांव स्थित अपने घर पहुंचे। घर का मुख्य दरवाजा खोलते ही अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़ित के अनुसार, घर के अंदर सभी कमरों के दरवाजे खुले पड़े थे। सेफ का लॉक (ताला) टूटा हुआ था, जबकि बक्से की कुंडी भी क्षतिग्रस्त मिली। जिनमें रखे लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और तीन गैस सिलेंडर गायब थे। आशंका जताई जा रही है कि चोर छत के रास्ते घर में घुसे और आराम से चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

घटना की सूचना पीड़ित ने डायल 112 और स्थानीय चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

एबीएसए के साथ समन्वय स्थापित कर नवीन नामांकन में और अधिक वृद्धि करें नवागत बीएसए : सत्येन्द्र कुमार

जिलाधिकारी ने की बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा,नामांकन प्रतिशत बढ़ाने पर जोर

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, जिला शिक्षा परियोजना समिति एवं जिला शिक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र नामांकन, आधारभूत सुविधाओं एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

बैठक में सर्वप्रथम विगत बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित बिंदुओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने खासतौर पर स्कूल चलो अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी पात्र बच्चा विद्यालय से वंचित न रहे। उन्होंने नवागत बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि एबीएसए के साथ समन्वय स्थापित करते हुए नवीन नामांकन में और अधिक वृद्धि सुनिश्चित की जाए। नामांकन अभियान को जनसहभागिता के माध्यम से और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया। जिलाधिकारी ने बालवाटिका संचालन, निपुण भारत मिशन एवं निपुण मूल्यांकन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए शिक्षण गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने तथा आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों के नियमित निरीक्षण एवं शैक्षणिक अनुश्रवण को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। बैठक में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालयों में चहारदीवारी निर्माण की स्थिति, सुरक्षित वातावरण की उपलब्धता तथा विद्यालय परिसरों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई।

केरल सरकार जूट उद्योग को देगी नई संजीवनी, 157 करोड़ का बजट आवंटित

श्रमिकों के वेतन संशोधन, निर्यात वृद्धि और आधुनिकीकरण पर रहेगा जोर

अलप्पुझा।

केरल सरकार ने जूट उद्योग के पुनरुद्धार और व्यापक सुधारों के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि राज्य बजट में इस क्षेत्र के लिए आवंटित 157 करोड़ रुपये इसकी पुनर्बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि सरकार पारंपरिक उद्योगों की समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है, जिनमें अलप्पुझा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा जूट उद्योग भी शामिल है। चेन्निथला ने बताया कि पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, सरकार ने जूट क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं के प्रबंध निदेशकों की बैठक बुलाई थी। श्रमिकों के वेतन संशोधन, कल्याणकारी लाभों, निर्यात बढ़ाने और नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों की पहचान जैसे मुद्दों पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जा रहा है। उद्योग के आधुनिकीकरण और उसे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक कदम तय करने हेतु 4 जुलाई को अलप्पुझा में जूट उत्पादों के निर्यातकों की एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी।

इस हफ्ते 4 दिन बैंक बंद रहेंगे, जरूरी काम निपटाने से पहले जानें पूरी लिस्ट

मुहर्रम और साप्ताहिक छुट्टियों के कारण देश के कई हिस्सों में नहीं होगा कामकाज

मुंबई ।

अगर अगले हफ्ते बैंक से जुड़े कामकाज निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, 22 से 28 जून के बीच चार दिनों के लिए बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जून महीने के लिए कुल 11 छुट्टियों की लिस्ट जारी की है, जिसमें राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और धार्मिक अवकाश शामिल हैं। हालांकि, कुछ छुट्टियां राज्यों या क्षेत्रों के हिसाब से अलग होती हैं, लेकिन राष्ट्रीय छुट्टियों पर देश भर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार, अगले सप्ताह 25, 26, 27 और 28 जून 2026 को बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 25 और 26 जून को मुहर्रम के कारण देश के कई इलाकों में बैंक बंद रहेंगे। 25 जून को विजयवाड़ा में अवकाश रहेगा, जबकि 26 जून को अगरतला, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची और श्रीनगर सहित कई प्रमुख शहरों में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद, 27 जून को चौथा शनिवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 28 जून को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार हर दूसरे और चौथे शनिवार के साथ-साथ सभी रविवार को बैंक अनिवार्य रूप से बंद रहते हैं। जून 2026 में कुल चार रविवार और दो शनिवार (13 और 27 जून) अवकाश हैं। अतः, बैंक जाने से पहले अपनी योजना सुनिश्चित कर लें।

एचआरवी फार्मा ने बिना प्लांट बनाया 400 करोड़ का एपीआई कारोबार

कंपनी 50 से अधिक यूएसएफडीए-अनुमोदित साझेदारों के साथ काम करती है

नई दिल्ली ।

हैदराबाद की एचआरवी फार्मा ने फार्मा उद्योग के पारंपरिक मॉडल को चुनौती देते हुए बिना किसी विनिर्माण कारखाने के एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट (एपीआई) कारोबार में अपनी पहचान बनाई है। कंपनी ने नियामकीय मंजूरी प्राप्त 50 से अधिक विनिर्माण साझेदारों के साथ मिलकर एक वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसके दम पर उसने वित्त वर्ष 2025 में 400 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल किया है। एचआरवी फार्मा के एक प्रमुख अे धिवकारी के अनुसार, यह मॉडल विनिर्माण परिसंपत्तियों के बजाय नियामकीय खुलासे और ग्राहक संबंधों पर केंद्रित है, जिसे उन्होंने दुनिया का पहला वर्चुअल एपीआई प्लेटफॉर्म बताया है। कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में 60-65 फीसदी सालाना वृद्धि दर्ज की है और 700 से अधिक वैश्विक ग्राहकों को सेवाएँ देती है। इसका लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में 1,000 करोड़ रुपये की आय तक पहुंचना है, जबकि वित्त वर्ष 2027 तक 550 करोड़ रुपये का राजस्व अनुमानित है। 1 लाख रुपए के शुरुआती निवेश से शुरू हुआ यह एसेट-लाइट ढांचा कंपनी को बिना बाहरी पूंजी के विस्तार करने में सक्षम बनाता है ।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 291, निफ्टी 89 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 291.17 अंक बढ़कर 77,094.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89.80 अंक उछलकर प्रतिशत 24,102.90 पर बंद हुआ। आजज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक बढ़कर 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक उछलकर 18,897.00 पर बंद हुआ था। बाजार में डिफेंस और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी मीडिया मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं निफ्टी फार्मा,

निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी के शेयरों में गिरावट रही।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह यह पिछले बंद के स्तर से 4 पैसे कमजोर रहा। हालांकि, यह पिछले सप्ताह की मजबूती के बाद हुआ है, जब रुपये ने 0.8 फीसदी की शानदार वापसी की थी। यह लगभग 3 महीनों में उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उस दौरान रुपया 94.18 के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया था और मई के रिकॉर्ड निचले स्तर 97 से संभल गया था।

भ्रामक विज्ञापनों को लेकर स्टोरिया और इंग्लिश ओवन पर एक-एक लाख का जुर्माना

स्टोरिया के 100 फीसदी जूस और इंग्लिश ओवन के 100 फीसदी आटा ब्रेड के दावे झूठे पाए गए

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने खाद्य उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड और इंग्लिश ओवन ब्रेड बनाने वाली मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने दोनों कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग, वेबसाइट और सभी डिजिटल मंचों से इन गुमराह करने वाले दावों को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने स्टोरिया फूड्स के उन विज्ञापनों का स्वतः संज्ञान लिया, जिनमें उत्पादों को 100 प्रतिशत नारियल पानी, 100 प्रतिशत अनार या अन्य जूस बताया गया था। विभिन्न ई-कॉमर्स मंचों पर प्रचारित इन उत्पादों की जांच में पाया गया कि उनमें पानी और केवल 9.6 प्रतिशत नारियल पानी का सांद्रण था, जो दावों के विपरीत था। इसी तरह, प्राधिकरण ने इंग्लिश ओवन ब्रेड के विज्ञापनों की भी जांच की, जिनमें ''100 प्रतिशत आटा ब्रेड'' जैसे दावे किए गए थे। कंपनी ने स्वयं स्वीकार किया कि उसके ब्रेड में सिर्फ़ 87 प्रतिशत गेहूं का आटा था। पैकेजिंग पर '100 प्रतिशत गेहूं का आटा' और जीरो मैदा जैसे दावे उपभोक्ताओं को यह आभास कराते थे कि उत्पाद पूरी तरह आटे से बना है, जो कि भ्रामक था। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि कंपनियों द्वारा किए गए दावे उत्पाद की वास्तविक सामग्री से मेल खाने चाहिए।

विदेशी मुद्रा आवक पर आरबीआई की पैनी नजर, बैंकों से मांगा दैनिक ब्योरा

बाजार को आंकड़ों के सार्वजनिक होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक-खाता (एफसीएनआर-बी) जमा, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और विदेशी मुद्रा में उधारी से संबंधित आंकड़े रोजाना साझा करने का निर्देश दिया है। यह कदम विशेष रियायती योजना के तहत विदेशी मुद्रा आवक पर करीब से नज़र रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बैंकों को 22 जून, 2026 से हर दिन शाम 6 बजे तक वित्तीय बाजार परिचालन विभाग को यह डेटा जमा करना होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई इन आंकड़ों को नियमित अंतराल पर, संभवतः साप्ताहिक रूप से सार्वजनिक करेगा। विशेष योजना और आरबीआई का उद्देश्य इस साल 8 जून से 30 सितंबर के बीच जमा किए गए एफसीएनआर (बी) जमा आरबीआई की स्वैप सुविधा के लिए पात्र होंगे, जिसमें केंद्रीय बैंक हेजिंग (जोखिम प्रबंधन) से जुड़ी लागत का वहन करेगा।

एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, आरबीआई इस आमद पर करीबी नजर रखकर यह पता लगाना चाहता है कि क्या उसके नीतिगत उपाय बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आकर्षित कर पा रहे हैं और निर्धारित लक्ष्य हासिल हो रहे हैं या नहीं। आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बाजार को इस उपाय के प्रभाव का सटीक आकलन करने में मदद मिलेगी।

पिछली योजनाओं से तुलना और भविष्य की संभावनाएं= अतीत में, 2013 की ऐसी ही एक योजना के दौरान आरबीआई ने केवल चार बार एफसीएनआर (बी) आमद के आंकड़े जारी किए थे, जिससे 26 अरब की आवक हुई थी।

2016 में भी इस योजना के जरिये 26 अरब डॉलर की आमद हुई थी, जिसकी अवधि तीन महीने से थोड़ी कम थी।

हालांकि, वर्तमान योजना की अवधि लगभग चार महीने है और विशेषज्ञ अधिक बार रिपोर्टिंग की उम्मीद कर रहे हैं।

नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2013 के बाद से विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों की आबादी में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय मूल के निवेशक आमतौर पर कम 'कंट्री रिस्क प्रीमियम' की मांग करते हैं, जिससे यह योजना अधिक आकर्षक बन जाती है। नोमुरा का अनुमान है कि 2026 की एफसीएनआर (बी) योजना से 55 अरब की रिकॉर्ड आवक हो सकती है।

जिसका अधिकांश हिस्सा अगस्त-सितंबर में आने की संभावना है।

नोमुरा नोट में कहा गया है कि भले ही डॉलर महंगा हो गया है, फिर भी यह योजना निवेशकों को बड़े अवसर देगी जिससे बेहतर रिटर्न प्राप्त होंगे।

वित्त वर्ष 2025-26 में एफसीएनआर (बी) आमद में गिरावट दर्ज की गई थी, जो 7.08 अरब डॉलर से घटकर 94.6 करोड़ डॉलर रह गई थी, जबकि 31 मार्च 2026 तक कुल बकाया एफसीएनआर (बी) जमा 33.8

स्टील बर्ड हाई-टेक की आय में प्रीमियम हेलमेट की हिस्सेदारी में बढ़ेगी

अगले 5 साल में 2.5 करोड़ हेलमेट उत्पादन और 2,500 करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

मुंबई ।

प्रमुख हेलमेट निर्माता स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया ने अपने प्रीमियम खंड की हिस्सेदारी को 2032 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बढ़ती मांग के मद्देनजर अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष में स्टीलबर्ड की कुल आय 869 करोड़ रुपए थी, जिसमें प्रीमियम खंड का योगदान पांच प्रतिशत से भी कम रहा। कपूर ने बताया, प्रीमियम खंड अभी कुल बाजार का पांच प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन यह तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में (2032 तक) प्रीमियम हेलमेट बाजार की हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी का प्रीमियम ब्रांड 'इग्नाइट' है, जिसके हेलमेट 3,000 रुपए से शुरू होते हैं। इस वृद्धि को

भुनाने के लिए, स्टीलबर्ड अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस निवेश से कंपनी अपनी निर्माण क्षमता को बढ़ाकर 2.5 करोड़ हेलमेट प्रति वर्ष करेगी और 2,500 करोड़ रुपए के कुल कारोबार का लक्ष्य रखा है। स्टीलबर्ड के वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में सात और नोएडा में तीन विनिर्माण संयंत्र हैं, साथ ही एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र भी है।

घटती एफडी दरों के बीच चमकते यूएलआईपी, बैंक कर रहे ग्राहकों को आकर्षित

नई दिल्ली ।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर घटती ब्याज दरों के बीच, देश के प्रमुख बैंक अपने ग्राहकों को यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) की ओर तेजी से आकर्षित कर रहे हैं।

बाजार से जुड़े बेहतर रिटर्न और बीमा सुरक्षा के संयोजन के कारण यूएलआईपी को एक समग्र वित्तीय समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

हाल के वर्षों में यूएलआईपी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जहां निजी जीवन बीमा कंपनियों के कुल प्रीमियम संग्रह में इनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी से अधिक हो चुकी है। कभी भारी-भरकम शुल्क और कम रिटर्न के कारण इसकी छवि खराब थी, लेकिन आईआरडीए के सख्त नियमों ने इसमें कई सुधार किए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी अवधि में इक्विटी आधारित यूएलपी ने औसतन 10-13 फीसदपी तक का रिटर्न दिया है, जो पारंपरिक बीमा योजनाओं से बेहतर माना जाता है।

रांची में नाबार्ड के आम महोत्सव में 100 टन से ज़्यादा आम बिके

तीन दिवसीय आयोजन ने जनजातीय किसानों को सीधा बाजार उपलब्ध कराया

रांची ।

झारखंड में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय आम महोत्सव रविवार को सफ्लतापूर्वक संपन्न हो गया। इस महोत्सव में विभिन्न किस्मों के 100 टन से अधिक आमों की बिक्री हुई, जिससे 60 लाख रुपये से अधिक का कुल कारोबार दर्ज किया गया। 19 जून को शुरू हुए इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जनजातीय किसानों को उनके उत्पादों के लिए सीधा बाजार उपलब्ध कराना और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले आम खरीदने का अवसर प्रदान करना था। आमों की बिक्री औसतन 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से हुई। नाबार्ड झारखंड की मुख्य महाप्रबंधक दीपमाला घोष ने महोत्सव को उपभोक्ताओं और संस्थानों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह सफ्लता नाबार्ड की जनजातीय विकास और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) प्रोत्साहन पहलों के प्रभाव को दर्शाती है। घोष ने उम्मीद जताई कि निर्यातक

और खाद्य प्रसंस्करण कंपनियां अब राज्य के जनजातीय किसानों द्वारा उत्पादित आमों पर ध्यान देंगे और उनके संग्रहण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग व निर्यात की संभावनाएं तलाशेंगे।

विदेशी निवेश आकर्षित करने को सेबी का बड़ा कदम, एफपीआई नियमों की होगी समीक्षा

एक शेयर में निवेश की अनुमति और यूबीओ नियमों में ढील संभव

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) देश में सुस्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर रहा है। अगस्त 2023 में लागू हुए अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) के विस्तृत खुलासा प्रावधानों और एफपीआई के लिए निवेश से संबंधित अन्य शर्तों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एफपीआई को एक ही शेयर में निवेश करने की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। मौजूदा नियम के तहत एफपीआई को कम से कम तीन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है, जिससे कुछ विदेशी निवेशक असहज महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, नियमित यूबीओ की पहचान के लिए स्वामित्व सीमा में बदलाव पर भी बातचीत हो रही है। सेबी ने पहले यह अनिवार्य किया था कि जो एफपीआई अपने भारतीय प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा किसी एक कॉरपोरेट समूह में रखते हैं, उन्हें अतिरिक्त जानकारियां देनी होंगी। इस प्रावधान ने भी फंड प्रबंधकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी, हालांकि पिछले साल एयूएम सीमा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये कर नियमों में कुछ ढील दी गई थी। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतिम लाभकारी स्वामित्व की पहचान की भी समीक्षा की जा सकती है। पीएमएलए के तहत, किसी कंपनी में 10 फीसदी से अधिक शेयर रखने वाले किसी भी व्यक्ति की गहन पहचान अनिवार्य है, जिसे 2023 में 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया गया था। चूंकि दुनिया भर में यह सीमा 20 फीसदी है, इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के सुझाव दिए जा रहे हैं। यह कदम विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच अहम है, जिन्होंने मई और जून में भारी बिकवाली जारी रखी है।

भारत का डेटा सेंटर बूम, 30 अरब डॉलर का निवेश, भविष्य की नींव

भारत में डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंचेगी

नई दिल्ली ।

वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं के बावजूद, भारत का डेटा सेंटर क्षेत्र एक अभूतपूर्व उछाल देख रहा है। स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या, विश्व की सबसे अधिक डेटा खपत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वाकांक्षी मांगों से प्रेरित होकर, भारत 2030 तक अपनी डेटा सेंटर क्षमता को आठ गुना बढ़ाकर 8 गीगावाट तक पहुंचाने की राह पर है, जिसमें 30 अरब डॉलर से अधिक का पूंजीगत व्यय अपेक्षित है। भारत में फिलहाल 1 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता है, जो इस वित्त वर्ष में दोगुनी हो जाएगी और 2030 तक 8 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक दिग्गज और अदाणी, रिलायंस, भारती, टाटा जैसे भारतीय समूह इस विस्तार में अग्रणी हैं। इस तेजी के पीछे कई कारण हैं= भारत में वैश्विक जनसंख्या का 17 फीसदी हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक डेटा का 20 फीसदी उत्पन्न करता है, जबकि इसके पास वैश्विक डीसी क्षमता का केवल 3 फीसदी है। डेटा संप्रभुता और एआई में अग्रणी बनने की सरकारी महत्वाकांक्षाएं भी इस विस्तार को बल दे रही हैं। यह बूम विनिर्माण क्षेत्र (टर्बाइन, केबल, ट्रांसफॉर्मर निर्माता) और निर्माण क्षेत्र के लिए भी अपार संभावनाएं खोल रहा है। कमिंस जैसे डीजल जेनसेट निर्माता पहले से ही डीसी से 30-35 फीसदी घरेलू राजस्व कमा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण, डेटा सेंटर इंजीनियरों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और डीसीआईएम ऑपरेटरों सहित हजारों कुशल रोजगार पैदा करेंगे, जिससे बेरोजगारी संकट को कम करने में मदद मिलेगी। राज्य इन केंद्रों को आकर्षित करने के लिए होड़ कर रहे हैं, जो डिजिटल इंडिया के भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल के भाव तय करेंगे सोने-चांदी की दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है, जिसके अनुसार निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता और ऊर्जा बाजारों पर इन वार्ताओं का सीधा असर पड़ेगा। स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता पर बाजार की पैनी नजर रहेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के अधिकारियों के साथ तनाव कम करने के उद्देश्य से बातचीत का नेतृत्व करेंगे। जानकारों का कहना है कि इन वार्ताओं का परिणाम निवेशकों के जोखिम लेने के रवैये और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा असर डालेगा, जिसका सीधा प्रभाव बहुमूल्य धातुओं पर दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू जिंस बाजार में मजबूत रुपये और घटती मांग के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 2.2 फीसदी गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 5.3 फीसदी की गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार के`` विश्लेषकों ने कहा कि गिरती ऊर्जा कीमतें, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त नीतिगत रुख ने सोने पर दबाव डाला। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, हालांकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने कुछ हद तक सोने को सहारा दिया। उनका कहना है `` कि बहुमूल्य धातुओं का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में है, क्योंकि बाजार विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति सहित अमेरिका-ईरान वार्ता के घटनाक्रम पर केंद्रित है।

भारत की हार से निराश हैं कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं-

दुर्भाग्य से हम कुछ मौके नहीं भुना सके

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 18वें मैच में भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस हार के बाद फील्डिंग में चूके मौकों पर अफसोस जताया है। हालांकि, अभी भारत के पास लीग स्टेज में दो मैच शेष हैं। ऐसे में कप्तान ने सकारात्मक बने रहने पर जोर दिया है।

भारत की फिल्डिंग नहीं रही अच्छी

158/7 के स्कोर का बचाव करते हुए भारत की फील्डिंग अच्छी नहीं रही। ताजमिन ब्रिट्ज का कैच 18 रन पर छूटा, जबकि मारिजाने को सब्स्टिट्यूट फील्डर राधा यादव ने 25 और 65 रन पर दो बार जीवनदान दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने भारत की फील्ड प्लेसमेंट का बखूबी फायदा उठाया और आसानी से बाउंड्री लगाईं। मारिजाने ने 81 रन पर नाबाद रहते हुए साउथ अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

मौके नहीं भुना सके

मैच गंवाने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें बीच में कुछ मौके मिले, लेकिन दुर्भाग्य से हम उन्हें भुना नहीं सके। हालांकि, मुझे अभी भी लगता है कि हमारे दो मैच शेष हैं, और यही समय है सकारात्मक रहने और उन मुकाबलों के बारे में सोचने का। हम हमेशा बात करते हैं कि इस स्तर पर मौकों को भुनाना कितना जरूरी है, लेकिन दुर्भाग्य से किस्मत हमारे साथ नहीं थी।'

भारत के दो मैच बाकी

भारतीय टीम 25 जून को बांग्लादेश को चुनौती देगी, जिसके बाद 28 जून को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अभी भी हमारे दो मैच शेष हैं। अब उन मुकाबलों के बारे में सोचने का समय है। अगले मैच के लिए हमारे पास अभी भी दो-तीन दिन हैं। हम बैठकर सोचेंगे कि क्या करना है और उसी हिसाब से अपनी प्लेइंग इलेवन चुनेंगे।'

श्री चरणी-शेफाली की तारीफ

इस मैच में श्री चरणी ने चार ओवरों में 24 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने चार ओवरों में 22 रन देकर एक विकेट निकाला। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दोनों खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि श्री चरणी और शेफाली ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। वे चुनौतियां पैदा कर रही थीं, लेकिन दुर्भाग्य से बाकी गेंदबाजों ने उनका साथ नहीं दिया।'

मारिजाने की मैच जिताऊ पारी

हरमनप्रीत ने मारिजाने की मैच जिताऊ नाबाद 81 रन की पारी की अहमियत को मानते हुए कहा, 'वह शानदार खेलीं। उन्होंने हमसे मैच छीन लिया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दो अहम मौके भी दिए, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मुझे लगता है कि इस स्तर पर जब आप ऐसे मौके गंवाते हैं, तो कोई भी आपको आसानी से कुछ नहीं देता।

स्पिनर्स को लेकर बोलीं कप्तान

स्पिनर्स के ज्यादा इस्तेमाल पर हरमनप्रीत ने कहा, 'जब हम गेंदबाजी कर रहे थे, तो गेंद थोड़ी टर्न हो रही थी। अगर आप अपने फिंगर स्पिनर्स का सही इस्तेमाल करते हैं, तो मुझे लगता है कि शेफाली और श्री चरणी ने बहुत अच्छा काम किया। दूसरे स्पिनर्स को भी सोचना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, खासकर ऐसी पिचों पर।'

इंग्लैंड को डबल झटका

न्यूजीलैंड से हार के बाद क्यों चला आईसीसी का चाबुक

ओवल (एजेंसी)। ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 253 रन की करारी हार के बाद इंग्लैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काट दिए हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना भी लगाया गया है। आईसीसी के इस फैसले ने इंग्लैंड की डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। अंक कटने के बाद टीम के कुल अंक घटकर 38 रह गए हैं, जबकि उसका अंक प्रतिशत 34.72 से गिरकर 26.38 हो गया है। इसके बावजूद इंग्लैंड फिलहाल सातवें स्थान पर बना हुआ है।

क्यों मिली सजा?

आईसीसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, समय भत्ते को ध्यान में रखने के बाद इंग्लैंड निर्धारित लक्ष्य से 12 ओवर पीछे पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से जुड़े मामलों में खिलाड़ियों पर प्रति ओवर पांच प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। चूंकि इंग्लैंड 12 ओवर पीछे था, इसलिए अधिकतम सीमा के अनुसार खिलाड़ियों पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नियम 16.11.2 के अनुसार प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। इसी आधार पर इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक घटा दिए गए।

हेनरी ने इंग्लैंड को किया धराशायी

इससे पहले न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में पहला टेस्ट जीता था, लेकिन दूसरे टेस्ट में कीवी टीम ने जोरदार वापसी की। 463 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम अंतिम दिन 182/5 से आगे खेलने उतरी थी, लेकिन तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। हेनरी ने पारी में 6/29 विकेट लिए और मैच में कुल 11/109 विकेट अपने नाम किए। यह इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट प्रदर्शन है। साथ ही 35 टेस्ट के करियर में यह हेनरी का पहला 10 विकेट वाला मैच भी रहा।

जो रूट ने स्वीकार की गलती

मैच में इंग्लैंड की कप्तानी कर रहे जो रूट ने आरोप स्वीकार कर लिया। उन्होंने प्रस्तावित सजा को भी मान लिया, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने यह सजा सुनाई। ऑन-फील्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर रॉड टकर तथा चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने इंग्लैंड पर यह आरोप लगाया था।न्यूजीलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक भी रही। इंग्लैंड दौरे के 95 साल के इतिहास में यह उसकी सिर्फ सातवीं टेस्ट जीत है। वहीं ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड की यह दूसरी जीत रही। इससे पहले उसने 1999 में यहां जीत दर्ज की थी।सीरीज का तीसरा और निर्णायक टेस्ट गुरुवार से नॉटिंघम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स टीम में लौट आए हैं और वह फिर कप्तानी संभालेंगे। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की भी टीम में वापसी हुई है।

लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई, महिलाओं में तन्वी संभालेंगी जिम्मेदारी

फुलरटन, एजेंसी। अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरती हुई स्टार तन्वी शर्मा मंगलवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करेंगे। इस प्रतियोगिता के एकल में कई अन्य भारतीय खिलाड़ी भी अपना भाग्य आजमाएंगे जिनमें पुरुष वर्ग में किदाम्बी श्रीकांत भी शामिल हैं। महिला वर्ग में कुल सात भारतीय खिलाड़ी एकल में चुनौती पेश करेंगे।

सेन को दी गई दूसरी वरीयता

विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सेन को दूसरी वरीयता दी गई है और पहले दौर में उनका

मुकाबला बेल्जियम के जूलियन कैरागी से होगा। इस महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया ओपन में पहले दौर में बाहर होने के बाद लक्ष्य वापसी करने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेंगे। श्रीकांत पुरुष एकल में अपना पहला मैच चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू के खिलाफ खेलेंगे।भारत के एक अन्य खिलाड़ी सानीथ दयानंद जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोतो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एस शंकर मुथुसामी सुब्रमणियन ने भी मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है और उनका मुकाबला क्वालिफायर से होगा। महिला एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा और छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। वे विश्व रैंकिंग में क्रमशः 32वें और 34वें स्थान पर हैं। 17 वर्षीय तन्वी जर्मनी की यवोन ली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी, जबकि देविका का सामना पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज अनमोल खरब पहले दौर में बुल्गारिया की कालोयाना नलबंतोवा से भिड़ेंगी। रक्षिता श्री एस का सामना पहले दौर में क्वालिफायर से होगा। अगर वह आगे बढ़ती हैं, तो अगले दौर में उन्हें कनाडा की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिशेल ली का सामना करना पड़ सकता है।

रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

बेल्जियम का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

ईरान ने भी बनाए मौके

रक्षात्मक रणनीति के साथ उतरी ईरानी टीम ने जवाबी हमलों में बेल्जियम को परेशान किया। पहले हाफ में मेहदी तारेमी ने शानदार मूव पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया था, लेकिन ऑफसाइड होने के कारण गोल रद्द कर दिया गया। कप्तान तारेमी और हुसैन कनानी ने भी बेल्जियम की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

रेड कार्ड ने बदला मैच का रुख

मुकाबले का सबसे बड़ा मोड़ 66वें मिनट में आया, जब बेल्जियम के डिफेंडर नाथन नगोय को सीधे रेड

कार्ड दिखाया गया। तारेमी को गोल की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास में किए गए फाउल के कारण रेफरी ने उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया। इसके बाद बेल्जियम को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

अतिरिक्त खिलाड़ी का फायदा नहीं उठा सका ईरान

एक खिलाड़ी अधिक होने के बावजूद ईरान निर्णायक गोल करने में नाकाम रहा। वहीं बेल्जियम ने भी शानदार संघर्ष दिखाते हुए मैच को बराबरी पर खत्म किया। दोनों गोलकीपरों ने कई महत्वपूर्ण बचाव कर अपनी-अपनी टीमों को हार से बचाया।

ग्रुप-जी में बढ़ा रोमांच

दो मैचों के बाद ईरान और बेल्जियम दोनों के दो-दो अंक हैं। बेहतर टाईब्रेक के आधार पर ईरान शीर्ष स्थान पर है, जबकि बेल्जियम दूसरे नंबर पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड और मिस्र के पास भी नॉकआउट में पहुंचने का मौका बरकरार है, जिससे ग्रुप-जी की तस्वीर बेहद रोचक हो गई है।

हम रोनाल्डो को नहीं, सही खिलाड़ी को पास देते हैं

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 में पुर्तगाल की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 की निराशाजनक बराबरी के बाद टीम और खासकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। कई फुटबॉल विशेषज्ञों और प्रशंसकों का मानना है कि 41 वर्षीय रोनाल्डो की सीमित गतिशीलता पुर्तगाल के आक्रमण को प्रभावित कर रही है। हालांकि, टीम के युवा विंगर फ्रांसिस्को कॉन्सेसाओ ने इन आलोचनाओं को खारिज करते हुए रोनाल्डो का खुलकर बचाव किया है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी केवल रोनाल्डो को गेंद देने के दबाव में नहीं खेलते और मैदान पर हमेशा उसी खिलाड़ी को पास देते हैं जो बेहतर स्थिति में होता है। उज्बेकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले कॉन्सेसाओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमें ऐसा महसूस नहीं होता कि हमें हर हाल में रोनाल्डो को गेंद देनी है। मैं गेंद उसी खिलाड़ी को पास करता हूं जो मुझे सबसे बेहतर स्थिति में और बिना मार्किंग के नजर आता है।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब पुर्तगाल के खेल को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं और रोनाल्डो की भूमिका पर लगातार बहस हो रही है। कॉन्सेसाओ ने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रेसिंग रूम में रोनाल्डो को किसी अलग श्रेणी में नहीं देखा जाता। उनके अनुसार टीम की सफलता सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'क्रिस्टियानो टीम के एक सदस्य हैं।

बड़े मंच का बड़ा खिलाड़ी ! दबाव बढ़ते ही और खतरनाक हो जाते हैं 'बेबी बॉस'

दांबुला, एजेंसी। क्रिकेट में प्रतिभाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बहुत कम उम्र में ही यह संकेत दे देते हैं कि वे साधारण नहीं हैं। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी भी अब उसी श्रेणी में आते दिखाई दे रहे हैं। महज 15 साल की उम्र में उन्होंने बार-बार साबित किया है कि बड़े मुकाबलों का दबाव उन्हें डराता नहीं, बल्कि और अधिक खतरनाक बना देता है।

वैभव ने फाइनल में दिखाया दम

हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान वैभव पहली बार अपने खेल से ज्यादा खराब प्रदर्शन और एक विवाद की वजह से चर्चा में आए। फाइनल से पहले तक उनका बल्ला नहीं बोला था। वह 30-40 के स्कोर पर आउट हो रहे थे। इसके बाद मैदान पर श्रीलंकाई खिलाड़ियों के साथ हुई कहासुनी ने उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए। कुछ लोगों ने इसे उनकी अपरिपक्वता बताया तो कुछ ने अंदाजा लगाया कि इसका असर उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, लेकिन वैभव ने जवाब शब्दों से नहीं, बल्ले से दिया।

फाइनल में बल्ले से दिया जवाब

त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। पहले ही ओवर में मोहम्मद शिराज की गेंद पर शानदार चौका लगाकर उन्होंने अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद जो हुआ, वह किसी तूफान से कम नहीं था। वैभव ने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन ठोक डाले। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी स्ट्राइक रेट 324.14 रही, जो किसी भी स्तर के क्रिकेट में असाधारण मानी जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उन्होंने महज 11 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया। यह ऐसी पारी थी जिसने मैच का रुख बदल दिया और फाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। वैभव जब बल्लेबाजी कर रहे थे, तब एक वक्त तो भारत का प्रोजेक्टेड स्कोर 950 तक पहुंच गया था।

बड़े मैचों में अलग रूप दिखाते हैं

इस पारी को सिर्फ एक विस्फोटक पारी कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि वैभव के पिछले एक साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो एक पैटर्न साफ दिखाई देता है, जब मुकाबला बड़ा होता है, तब उनका बल्ला और ज्यादा खतरनाक हो जाता है। अंडर-19 विश्व कप में उनका अभियान बहुत शानदार नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाया।

यह प्रदर्शन बताता है कि दबाव की घड़ी में उनका आत्मविश्वास कम नहीं होता, बल्कि बढ़ जाता है।

आईपीएल में भी छोड़ी अमिट छाप

इसके बाद आईपीएल 2026 आया और वैभव ने दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का एक और नमूना पेश किया। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 97 रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 47 गेंदों पर 96 रन बनाए। हालांकि राजस्थान वह मुकाबला हार गई, लेकिन वैभव की पारी लंबे समय तक चर्चा का विषय बनी रही। इन दोनों पारियों ने दिखा दिया कि वह सिर्फ युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि मैच का रुख बदलने वाले खिलाड़ी हैं।

प्रेशर इज अ प्रिविलेज' को जी रहे हैं

आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली ने कहा था, 'प्रेशर इज अ प्रिविलेज' यानी दबाव एक विशेषाधिकार है। इसका मतलब यह है कि दबाव उन्हीं खिलाड़ियों पर होता है जिनसे लोगों को उम्मीदें होती हैं। 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी पर भी करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की नजरें हैं। हर बार जब वह बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जाती है। इतनी कम उम्र में यह अपेक्षाएं किसी भी खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती हैं, लेकिन वैभव अब तक इन उम्मीदों के बोझ तले दबे नहीं हैं। बल्कि उनके प्रदर्शन बताते हैं कि वह इस दबाव का आनंद लेते हैं और बड़े मंच पर खुद को साबित करने का अवसर मानते हैं।

भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा

वैभव सूर्यवंशी अभी अपने करियर की शुरुआती सीढ़ियां ही चढ़ रहे हैं। उन्हें तकनीक, स्वभाव और निरंतरता के मामले में अभी बहुत कुछ सीखना है। लेकिन एक गुण जो उनमें अभी से दिखाई देता है, वह है बड़े मौकों पर निडर होकर खेलने की क्षमता।शायद यही वजह है कि क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सुपरस्टार मानने लगे हैं। अगर उनका यह रवैया और प्रदर्शन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा खिलाड़ी मिल सकता है, जो दबाव में टूटता नहीं, बल्कि और चमकता है।

जानकारी

जौ का पानी पीने के ये पांच फायदे

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है।

जौ में विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैगनीज, सेलेनियम, जिंक, कॉपर, प्रोटीन, अमीनो एसिड, डायट्री फाइबर्स और कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जौ एक बहुत ही फायदेमंद अनाज है। आप चाहे तो इसे अपने रोज के आहार में शामिल कर सकते हैं या फिर एक औषधि के रूप में भी ले सकते हैं।

हर रोज जौ का पानी पीने से एक ओर जहां स्वास्थ्य से जुड़ी बहुत सी समस्याएं दूर हो जाती हैं, वहीं कई बीमारियों के होने का खतरा भी बहुत कम हो जाता है। इसके साथ ही ये शरीर को स्वस्थ रखने में भी बहुत कारगर होता है। कई लोग जौ को भाप द्वारा पकाकर भी इस्तेमाल करते हैं, परंतु जौ का पानी स्वास्थ्य के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है।

जौ का पानी तैयार करने के लिए कुछ मात्रा में जौ ले लीजिए और उसे अच्छी तरह साफ कर लीजिए। उसके बाद इसे करीब चार घंटे तक पानी में भिंगोकर छोड़ दीजिए। उसके बाद इस पानी को तीन से चार कप पानी में मिलाकर उबाल लीजिए। पर इसे धीमी आंच पर ही उबलने दें।

लगभग 45 मिनट बाद गैस बंद कर दीजिए और इस पानी को ठंडा होने दीजिए। जब ये ठंडा हो जाए तो इसे एक बोतल में भर लीजिए और दिनभर एक से दो गिलास पीते रहें।

जौ के पानी पीने के फायदे

- अगर आपको यूरीन से जुड़ी कोई समस्या है तो जौ का पानी आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। इसके अलावा किडनी से जुड़ी ज्यादातर समस्याओं में भी जौ का पानी बहुत कारगर होता है।
- अगर आप वजन घटाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और लाख कोशिश के बावजूद आपका वजन कम नहीं हो पा रहा है तो जौ का पानी आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है।
- ब्लड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए भी जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने की वजह से दिल से जुड़ी कई तरह की समस्याएं होने का खतरा कम हो जाता है। इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।
- मधुमेह के रोगियों के लिए जौ का पानी बहुत फायदेमंद होता है। ये शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है।
- जौ का पानी पीने से शरीर के भीतर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं, जिससे चेहरे पर भी निखार आता है। इसके साथ ही ये इम्यून सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखता है।

जिम हो या फिर स्पा बिना स्टीम बाथ और सॉना बाथ के अधूरे हैं। ऐसा माना जाता है कि स्टीम बाथ का इतिहास प्राचीन रोमन सभ्यता से जुड़ा हुआ है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। प्राचीन काल में रोमन वासियों ने कई प्रकार की शारीरिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस तकनीक को ईजाद किया था।

स्टीम/सॉना बाथ क्या है?

स्टीम बाथ, जैसा की नाम से पता चल रहा है कि भाप के जरिए स्नान करना। यह एक प्रकार का खास स्नान है, जिसमें पानी की जगह पानी की भाप से नहाया जाता है। इसमें सबसे पहले एक कमरे को भाप से लगभग 110 से 114 डिग्री फेरेनहाइट तापमान पर किया जाता है। लोग इस भाप वाले कमरे में कुछ समय के लिए रुक कर भाप के माध्यम से स्नान करते हैं, अर्थात पूरे शरीर की भाप से सिकाई की जाती है। इसलिए, इसे स्टीम बाथ कहते हैं। वहीं, सॉना बाथ में कमरे का तापमान 80 से 90 डिग्री सेल्सियस तक होता है, जिससे पसीने के माध्यम से हानिकारक पदार्थ शरीर से निकल जाते हैं। इसे 5 से लेकर 20 मिनट तक 1 से 3 बार दोहराया जा सकता है।

स्टीम/सॉना बाथ के फायदे

जो लोग स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेते हैं, उन्हें भी नहीं मालूम होगा कि वो कितने फायदों का लाभ ले रहे हैं। यहां हम स्टीम बाथ और सॉना बाथ कुछ प्रमुख फायदों का जिक्र कर रहे हैं।

वजन कम करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

क्या आप सोच सकते हैं कि नहाने से वजन कम हो सकता है। नहीं न, तो हम आपको बता दें कि स्टीम या सॉना बाथ लेने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं। यह अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में आपकी मदद करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती हैं। आप सॉना बाथ के लगभग 30 मिनट के सेशन में लगभग 600 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं। कैलोरी बर्न होने से आपके शरीर की अतिरिक्तचर्बी कम हो जाती है और आप अपने वजन में कमी महसूस कर सकते हैं।

रक्त संचार के लिए सॉना बाथ के फायदे

रक्त संचार में सुधार के लिए सॉना या स्टीम बाथ आदर्श तरीके हो सकते हैं। दरअसल, जब आप स्टीम या सॉना बाथ लेने के लिए स्टीम बाथरूम में बैठते हैं, तो शरीर की रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं, जिससे रक्तचाप और पल्स रेट कम हो जाता है, जिससे शरीर में रक्त संचार में सुधार हो सकता है। हालांकि, इस पर अभी और शोध की आवश्यकता है ।

जोड़ों की अकड़न को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप जिम करके आ रहे हैं और जिम के दौरान मांसपेशियों और जोड़ों की अकड़न को दूर करना चाहते हैं, तो स्टीम या सॉना बॉथ आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी मांसपेशियों को रिलैक्स करता है। साथ ही जोड़ों की अकड़न और दर्द में भी राहत प्रदान कर सकता है ।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को ठीक करने के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर हैरानी होगी कि स्टीम या सॉना बाथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में भी आपकी मदद करता है। स्टीम बाथ या सॉना बाथ लेने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इससे मोनोसाइट्स (एक प्रकार की सफेद रक्त कोशिका) की गतिविधि बढ़ जाती है। ये कोशिकाएं बैक्टीरिया को खत्म करने और मृत ऊतकों को हटाने में मदद करती हैं। इसके अलावा, ये कोशिकाओं के विकास में भी भूमिका अदा करती हैं। मोनोसाइट्स और न्यूट्रोफिल (सफेद रक्त कोशिका के प्रकार) हानिकारक सूक्ष्म जीवों से शरीर की रक्षा करने में मदद करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करते हैं।

तनाव को दूर करने के लिए स्टीम बाथ लेने के फायदे

अगर आप किसी काम को लेकर तनाव ग्रस्त हैं, तो कुछ देर के लिए स्टीम बाथ या सॉना बाथ ले सकते हैं। ये खास स्नान आपके तनाव को दूर करने में आपकी मदद करेंगे। ये दोनों बाथ आपकी बॉडी को रिलैक्स करने के साथ ही शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसके साथ ही इस स्नान से चिंता और अवसाद में कमी आती है, जिससे अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है।

रक्तचाप को कम करने में मदद करता है

रक्तचाप की समस्या को दूर करने के लिए स्टीम बाथ बेहतर विकल्प हो सकता है। जब आप स्टीम बाथ लेते हैं, तो शरीर का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सभी रक्त वाहिकाएं फैल जाती हैं और रक्त वाहिकाओं के फैलने से रक्तचाप कम हो जाता है ।

त्वचा के लिए सॉना बाथ के फायदे

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि स्टीम बाथ आपकी त्वचा के लिए कितना फायदेमंद हो सकता है। स्टीम बाथ लेने से त्वचा के पोर्स खुल जाते हैं, जिनसे पसीना निकलता है। पसीने के साथ ही त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक बैक्टीरिया भी बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा, ये विषाक्त पदार्थ को भी त्वचा से अलग करने में आपकी मदद करते हैं।

स्टीम/सॉना बाथ के नुकसान

सावधानीपूर्वक लिया जाने वाला स्टीम या सॉना बॉथ फायदेमंद होता है, लेकिन लापरवाही बरतने पर नुकसानदायक भी साबित हो सकता है।

- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें कि ज्यादा देर तक बाथ लेने से गर्म तापमान के कारण आपकी त्वचा जल सकती है और फफोले पड़ सकते हैं।
- अल्कोहल का सेवन करने के बाद आपको स्टीम या सॉना बाथ नहीं लेना चाहिए, इससे आपका रक्तचाप बढ़ सकता है, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।
- हृदय और उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी ये बाथ नुकसानदायक हो सकते हैं। इससे हृदय गति बढ़ सकती है, जिससे गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है।
- अगर आप गर्भवती हैं, तो ध्यान रहे कि अधिक समय तक लिया हुआ स्टीम या सॉना बाथ आपके और आपके गर्भस्थ शिशु के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- स्टीम या सॉना बाथ लेने से पहले आप अपने नाजुक अंगों को तौलिए से ढक कर रखें, नहीं तो वहां की त्वचा पर फफोले होने की समस्या हो सकती है।
- बाथ के दौरान अन्य लोगों के तौलिए और साबुन का उपयोग करने से संक्रमण का खतरा हो सकता है।
- स्टीम बाथ में ज्यादा देर तक बैठने या फिर दिए गए निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर त्वचा संक्रमण की समस्या हो सकती है। कुछ गंभीर मामलों में तो मृत्यु तक हो सकती है।

सेहत

ओवर एक्टिव थायरॉइड में क्या खाएं क्या न खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म वह स्थिति होती है, जिसमे थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है। इसके कारण हार्मोन का स्राव अधिक होता है। इसका असर मेटाबॉलिज्म के स्तर पर पड़ता है। इसमें थायरॉक्सिन हार्मोन ज्यादा बनने के कारण वजन कम होने लगता है। इतना ही नहीं शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है, अनिद्रा, उत्तेजना, घबराहट और चिड़चिड़ापन जैसे समस्याएं शुरू हो जाती हैं। हाइपरथाइरॉयडिज्म में डायबिटीज होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरथाइरॉयडिज्म (ओवरएक्टिव थायरॉइड ग्लैंड) को सामान्य बनाने में खान-पान की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आइए हम आपको बताते हैं कि हाइपरथाइरॉयडिज्म में आपको कैसा आहार लेना चाहिए।

हाइपरथाइरॉयडिज्म में क्या खाएं?

हाइपरथाइरॉयडिज्म में ऐसे खाद्य पदार्थ जो आसानी से पच जाते हों उनको खा सकते हैं। ऐसा भोजन जो खाने के बाद तीन घंटे में पच जाता है, उसको खाइए, इन खाद्य-पदार्थों से मेटाबॉलिज्म का स्तर बढ़ता है। ठंडे पानी की मछली और मछली का तेल (जिसमें ईपीए और डीएचए की मात्रा 1 से 2 ग्राम मौजूद होती है, जो थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होते हैं) थायरॉइड फंक्शन के लिए फायदेमंद होती है।

साबुत अनाज

हाइपरथाइरॉयडिज्म की समस्या तभी होती है, जब शरीर में आवश्यक और पोषक तत्वों की कमी होती है। कभी-कभी आप ऐसे फूड्स का सेवन करते हैं, जिनकी पोषण क्षमता समाप्त हो चुकी होती है, ऐसे में आपके लिए साबुत अनाज फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज जैसे- ब्राउन राइस, गेहूं, चना आदि। दरअसल, साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम और आयरन होता है, जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं। चूंकि थायरॉइड हार्मोन जब ज्यादा बनता है तो उसका असर हड्डियों पर ज्यादा होता है।

हाइपरथाइरॉयडिज्म क्या न खाएं?

कम आयोडीन युक्त आहार लें

जब शरीर में आयोडीन की मात्रा ज्यादा होती है, तब थायरॉइड ग्लैंड ओवरएक्टिव होता है और हाइपरथाइरॉयडिज्म की स्थिति पैदा होती है। हालांकि आयोडीन का सबसे अच्छा स्रोत खाद्य पदार्थ होता है। इसलिए हाइपरथाइरॉयडिज्म में ज्यादा आयोडीन वाले आहार के सेवन से बचना चाहिए। समुद्री भोजन जैसे- समुद्री मछली, समुद्र के आसपास उगे पौधों को खाने से बचें, क्योंकि इनमें आयोडीन की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसलिए खाते वक्त यह सुनिश्चित कर लीजिए कि जो आप खा रहे हैं, उसमें आयोडीन की मात्रा ज्यादा तो नहीं।

इन खाद्य पदार्थों से बचें

हाइपरथाइरॉयडिज्म में थायरॉइड ग्रंथि ओवर एक्टिव हो जाती है, हार्मोन का निर्माण ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसे में कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जो थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बचिए। गोभी, फूलगोभी, स्प्राउट, सरसों का साग, आड़ू, सोयाबीन, पालक और शलजम थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन को रोकते हैं। इसलिए इनको बिल्कुल मत खाइए। इसके अलावा रिफाइंड शूगर, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक, जैसे पेय जिनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा हो, उनको भी खाने से परहेज करना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू)

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही

काकुरो पहेली - 3924

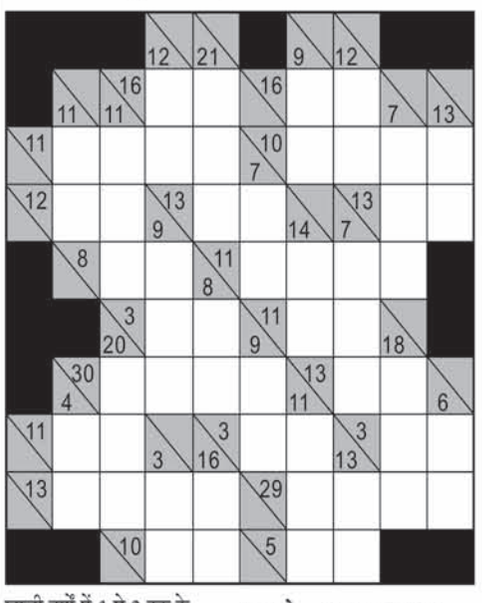

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

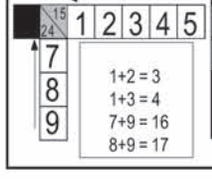

काकुरो - 3923 का हल

	11 4			23 10				
	3 2 1			7 6 1	10			
6	2 1 3	29 19	5	8	9	7	4	
4	1 3	24 21	8	7	9	3 10	2	1
15	3 5	4	2	1	6 23	2	1	3
	8	17 11	8	9	7 18	6	1	30 19
24	7	8	9	34 7	9	8	7	6	4
3	1	2	17 4	1	7	9	13 15	7	6
	10	1	3	4	2	24	7	8	9
		3	1	2		17	8	9	

हंसी के फव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा,'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला,'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

□ □ □

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

□ □ □

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

□ □ □

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3924

ऊपर से नीचेः-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

बायें से दायेंः-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3923

उ	म	रा	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्ञा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
रा	त	औ	र	दि	न		रे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -3924

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3923 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 3924

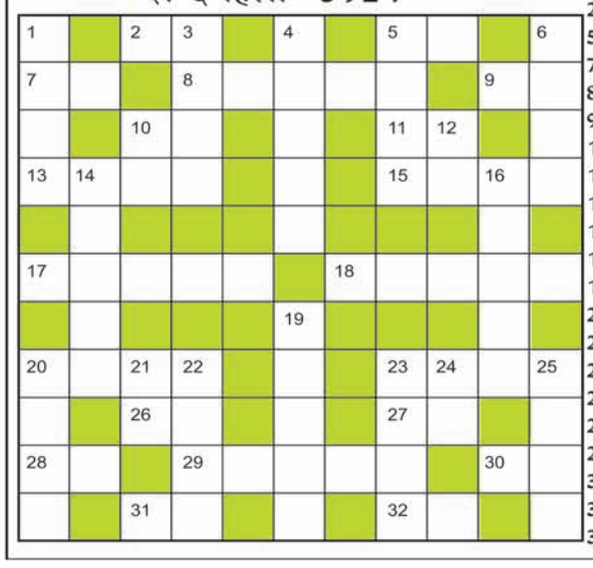

बाएँ से दाएँ

2.पिता की बहन-2
5.कठोर-2
7.खून,रुधिर-2
8.मशरुम,फफूंद-3,2
9.इसे मकड़ी बुनती है-2
10.अपशिष्ट पदार्थ-2
11.धैर्य,संयम-2
13.स्फूर्ति,चंचलता-4
15.ओस,निशाजल-4
17.राशि निर्धारण-5
18.हलकापन-5
20.खालीपन,रिक्तता-4
23.स्नान करवाना-4
26.दंड-2
27.कार्य-2
28.कुर्बानी-2
29.कहानी का लेखक-5
30.प्रतिबिंब-2
31.गाना,नगमा-2
32.मां की मां-2

ऊपर से नीचे

1.बंदूक की गोली-4
3.व्याकुलता-4
4.दौरान,मध्य में-5
5.सत्ताधारी-4
6.नरम,अकठोर-4
10.शराब,सुरा-2
12.ईश्वर-2
14.गतिशीलता-5
16.नवीन,नया -2,3
19.उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20.प्रतिपूर्त व अनुपूर्त करना (अंग्रेजी-4)
21.मवाद-2
22.नाजुकता-4
23.मना करना-4
24.मैं का बहुवचन -2
25.नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3923 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	म्मी		र	फू	च	क	र		र्म	
आ		मा	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	थ				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				ख				वी	
मे	धा	ल	य		ल		क	म	त	र
घ		त	म		ना		ल	त		क्षा
	र्थ		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	ब्बो	द	र

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी